सूविचार

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।

दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....

internalnews@gmail.com | www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 362 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रुपये | भोपाल, शनिवार 28 मार्च 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

संक्षिप्त समाचार

मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कटरा आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नई पहल शुरू

कटड़ा। मां वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए कटरा आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधा देने के मकसद से कटड़ा में नई पहल शुरू की गई है। अब वैष्णो देवी मंदिर आने वाले श्रद्धालु आसपास के धार्मिक और पर्यटन स्थलों को भी आसानी से देख सकते है। बता दें कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को कटड़ा से वैष्णो देवी हैरीटेज एडवेंचर का शुभारंभ हुआ। यह एडवेंचर बस सर्विस कटरा के आसपास क्षेत्र के पर्यटन स्थलों व धार्मिक स्थलों से मां भगवती के दर्शनों को आए श्रद्धालुओं को रूबरू करवाएंगे। इस बस सेवा का उद्घाटन कटड़ा के नायब तहसीलदार दिनेश अन्थाल ने किया। बता दें कि यह बस कटड़ा के साथ लगते चामुंडा टेम्पल, बाबा आगार जीतो टेम्पल, नोदेवी, बाबा डनसर, चिनाब रिवर और सिंहाड़ बाबा जैसे धार्मिक स्थलों की ओर ले जाएगी और उसका निर्धारित किराया 250 प्रति सवारी है। आयोजकों के अनुसार अक्सर देखा गया है कि मां वैष्णो देवी के दर्शनों को आए श्रद्धालुओं का होटल चेक आउट 12 बजे हो जाता है, और ट्रेन शाम की 6 बजे तक होने के चलते उन्हें भटकना पड़ता है, इसके बाद हेरिटेज एडवेंचर उन श्रद्धालुओं के लिए राहत होगी।

कांग्रेस सांसद मसूद का आरोप, प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के कारण देश की स्थिति कमजोर हुई

नई दिल्ली। नई दिल्ली में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने पश्चिम एशिया के बढ़ते संकट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर तीखा हमला किया। 27 मार्च को दिए बयान में कांग्रेस सांसद मसूद ने कहा कि केंद्र सरकार ने समय पर निर्णय नहीं लिए, जिससे देश की स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत का रुख स्पष्ट नहीं रहा और इससे देश 'अधर में' लटक गया है, जिसके गंभीर परिणाम आम जनता को भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस नेता मसूद ने कहा कि स्थिति बेहद चिंताजनक है और आम लोगों में असुरक्षा बढ़ रही है। उन्होंने व्यावसायिक सिलेंडरों की कमी और आम जनता की परेशानियों का भी जिक्र किया। उनका मानना है कि सरकार को पहले ही सक्रिय कदम उठाने चाहिए थे, ताकि मौजूदा संकट का असर कम किया जा सके। यह विवाद उस समय सामने आया है जब केंद्र सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क में बदलाव किए हैं। पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर इसे पूरी तरह हटा दिया गया है। साथ ही, डीजल निर्यात पर 21.5 रुपये प्रति लीटर का विंडफॉल टैक्स लगाया गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम तेल कंपनियों को बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों से राहत देने के लिए उठाया गया है। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है। भारत के तेल आयात का 12-15 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से आता है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने जनता से अफवाहों से बचने और घबराकर खरीदारी न करने की अपील की है।

पीएम मोदी ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह को दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता बालेंद्र शाह उर्फ बालेन शाह ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। मात्र 35 साल की उम्र में जेन-जी के नेता शाह ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मौके पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम शाह को बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने बालेन शाह को बधाई देकर लिखा, नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर बालेंद्र शाह को बहुत-बहुत बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल के लोगों द्वारा आपके नेतृत्व पर दिखाए गए भरोसे को दिखाती है। मैं आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि भारत-नेपाल की दोस्ती और सहयोग को हमारे दोनों देशों के लोगों के आपसी फायदे के लिए और भी ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। बालेंद्र (बालेन) शाह के नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के साथ ही आरएसपी ने कुछ मंत्रियों के नाम पर मुहर लगाई है। सूत्रों के हवाले से बताया गया हैं कि नेपाल के उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के तौर पर स्वर्णिम वागले जिम्मेदारी संभालने वाले है। इसके अलावा, शिशिर खनल को विदेश मंत्री, बिराज भक्त श्रेष्ठ को ऊर्जा मंत्री और सुदान गुरुंग को गृह मंत्री के तौर पर जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा प्रतिभा रावल को जनरल एडमिनिस्ट्रेशन मंत्री बनाया जाएगा। अमरेश सिंह औद्योगिक मंत्रालय, सोबिता गौतम कानून मंत्रालय, निशा मेहता स्वास्थ्य और पेयजल मंत्रालय, सुनील लमसल भौतिक अवसंरचना मंत्रालय, सीता बादी महिला व बाल कल्याण मंत्रालय, सस्मीत पोखरेल शिक्षा, विज्ञान और तकनीकी मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालेंगे।

सिंहस्थ में आने वाले अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए की जा रही हैं तैयारियां

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है।

» प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा, जनता पसंद कर रही है सरकार के काम

जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं। इनके हित में हम हर महीने 1500-1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं। किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं। भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम मापदंड है उसके दायरे में रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है। भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं। जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विपक्ष को सीखना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। यह परियोजना राज्यों के हित में है। इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है। यहां 250 से ज्यादा नदियां हैं। हमारे पड़ोसी राज्य राजस्थान के 15 जिले सालों से पीने के पानी, उद्योग और सिंचाई के लिए भारी कष्ट में थे। माननीय अटल जी की सरकार के वक्त नदी जोड़ो योजना बनी थी लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकार के साथ तालमेल न होने से इस विषय को लटकाए रखा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से मध्यप्रदेश और राजस्थान ने साथ आने का प्रयास किया और दोनों राज्यों की पश्चिमी भारत को सिंचाई की सुविधा से संपन्न करने के लिए पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना पर सहमति बनी। इस पर लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंजूर की। प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में ही इस परियोजना का शुभारंभ हुआ। इस गठबंधन का परिणाम यह हुआ कि दोनों राज्यों के लोगों का एक तरह से अब जीवन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध होने चाहिए।

गौरव गोगोई और कांग्रेस पर सरमा का तंज, आप पाकिस्तान जाकर पूछे, यहां उन्हें कोई नहीं जानता

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जोर देकर कहा है कि इस बार वोट अपने आप बीजेपी को मिलने और पार्टी को अपने पक्ष में जीत सुनिश्चित करने के लिए ज्यादा प्रचार की जरूरत नहीं है। एक कार्यक्रम में सीएम सरमा ने कहा कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई बीजेपी पर ध्रुवीकरण का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन उनका कहना था, 'उन्हें यहां लेकर आइए, मैं ध्रुवीकरण का मतलब नहीं समझता।' गौरव गोगोई और कांग्रेस की चुनावी स्थिति के बारे में पूछने सीएम सरमा ने पाकिस्तान का उदाहरण देकर कहा कि 'आप पाकिस्तान जाकर पूछिए, यहां उन्हें कोई नहीं जानता। पूरे असम में जहां उनका वोट है वहां कुछ लोग जानते हैं, लेकिन आम जनता में उन्हें कोई पहचानता नहीं है।' उन्होंने कहा कि लोग हिंदू-मुस्लिम, असमिया या भारतीय कोई भी हों, सब लोग बीजेपी को वोट देने वाले और पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की रैलियों के बारे में पूछने पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि रोड शो की भीड़ में हिंदू और मुसलमान दोनों दिख रहे हैं, और यही लोग बीजेपी को वोट दे रहे हैं।

रामनवमी पर रामलला का सूर्य तिलक, फूलों से सजे मंदिर, गूंजी बधाइयां

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर राम की नगरी अयोध्या में रामलला का जन्मोत्सव पूरे आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया है। प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या में लगभग दस लाख भक्तों पहुंचे। राममंदिर सहित अयोध्या के सभी मंदिरों में प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दोपहर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य की किरणों से प्रभु श्रीराम का तिलक हुआ। शुक्रवार को मौसम खराब था। कभी धूप कभी बारिश। बादलों की चाल को देखते हुए श्रद्धालुओं में थोड़ी निराशा दिखी लेकिन निराशा पर भक्ति और आस्था भारी पड़ती रही। अंततः जब दोपहर 12 बजने को थे तभी सूर्य देव ने दर्शन दिए और भव्य राम मंदिर में स्थापित राम की प्रतिमा पर ठीक 12 पर उनके मस्तक पर सूर्य तिलक हुआ। प्रभु श्रीराम के ललाट पर जब सूर्य की किरणें सीधे पड़ी तो दृश्य मनोहारी एवं अद्भुत हो गया। गर्भगृह तक बधाइयां गूंजने लगीं।

शुक्रवार को रामनवमी पर सुबह से ही राम मंदिर समेत अन्य स्थानों में भगवान के अभिषेक, श्रृंगार, आरती के आयोजन शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे शंख नाद व भजन से पूरी नगरी आह्लादित हो गयी। श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर राम मंदिर में विशेष आयोजन 19 मार्च से चल रहे हैं। मंदिर के गर्भगृह में पुजारी की मौजूदगी में भगवान श्री राम के प्रतीकात्मक जन्मोत्सव का आयोजन संपन्न किया गया। राम मंदिर के ट्रस्ट विशेष आमंत्रित सदस्य, राम मंदिर दर्शन व्यवस्था के प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में सुबह 5 बजे से दर्शन शुरू हुआ। जबकि सुबह 10 बजे से अभिषेक शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे आरती होगी 56 भोग लगेगा और उसके साथ भगवान के माथे पर सूर्य का तिलक होगा।

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में हो रहा तेजी से सुधार, एक-दो दिनों में छुट्टी मिल सकती

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के स्वास्थ्य को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। नई दिल्ली स्थित अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत में तेजी से सुधार हो रहा है और उन्हें एक-दो दिनों में छुट्टी मिल सकती है। 79 वर्षीय सोनिया गांधी को 24 मार्च की देर रात बुखार और संक्रमण की शिकायत के चलते भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि अब वे सहज महसूस कर रही हैं, चल-फिर पा रही हैं और सामान्य रूप से भोजन भी कर रही हैं। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें एक गंभीर संक्रमण के इलाज के लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी जा रही हैं, जिनका सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। इसके पहले अस्पताल प्रशासन ने बताया था कि सोनिया गांधी का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की निगरानी में चल रहा है, जिसमें डॉ.डी.एस. राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु शामिल हैं।

केरलम चुनाव को लेकर केसी वेणुगोपाल का तंज, एक सीट भी नहीं जीत पाएगी बीजेपी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और एआईसीसी के महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने केरलम में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन की आलोचना कर कहा कि आगामी केरलम विधानसभा चुनावों में गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिलेगी। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने दावा किया कि कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत निश्चित है, क्योंकि केरल की जनता पिनारयी विजयन के नेतृत्व में एक दशक बाद सत्ता बदलना चाहती है। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने दावा किया कि दोनों पार्टियों के बीच अपवित्र गठबंधन है। उन्होंने कहा कि वे सोचते हैं कि वे एक या दो-तीन सीटें जीत सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होगा। केरलम विधानसभा में एक सीट जीतना उनके लिए एक सपना ही हो सकता है। वे केरलम विधानसभा चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल पाएंगे, भले ही वे सीपीएम और भाजपा के अपवित्र गठबंधन के साथ कितनी भी कोशिश कर लें, क्योंकि केरल की जनता इस अपवित्र गठबंधन को स्वीकार नहीं करेगी। उनके मुख्यमंत्री आ रहे हैं, उनके पास धन बल है, लेकिन केरल एक अलग राज्य है। उन्होंने कहा कि हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। जनता का मिजाज कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मिजाज बदलाव के लिए है, सरकार के बदलाव के लिए। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है। केरल में पिनाराई सरकार के 10 साल केरल की जनता के लिए सबसे बुरे दौर रहे हैं। लेकिन 9 अप्रैल को केरल की जनता उन्हें दिखाएगी कि केरल क्या सोच रहा हैज्कांग्रेस नेताओं का परिवार है। हमारे अपने विचार हैं, शायद थोड़े अलग हों।

हाईवे किनारे खड़े ट्राला से भिड़ी पिकअप, आठ की मौत

कौशांबी। यूपी के कौशांबी जिले के कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे में 18 श्रद्धालु घायल हो गए। डोरमा पेट्रोल पंप के समीप उस समय हुआ जब सड़क किनारे खड़े ट्राला में पीछे से तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखचे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। सभी लोग फतेहपुर जिले के मलवां क्षेत्र के बड़ोखर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वे लोग रामनवमी के अवसर पर शीतला धाम दर्शन करने के लिए पिकअप बुक कर सुबह आए थे और वापस लौटते समय दोपहर करीब पौने चार बजे यह हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर घायलों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुआ इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे तनावपूर्ण संघर्ष ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। ऐसे में भारत सरकार ने कदम उठाते हुए एक अहम फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने मिडिल ईस्ट संकट से पैदा होने वाले विभिन्न मुद्दों पर लगातार नजर रखने और उनका समाधान करने के लिए एक इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन किया है।

इस ग्रुप की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। ग्रुप में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अन्य संबंधित मंत्री सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह ग्रुप मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से भारत पर पडने वाले संभावित प्रभावों खासकर ऊर्जा सुरक्षा, तेल-गैस आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता पर नजर रखेगा। सरकार का यह कदम इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की आधी जरूरत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात करता है। हाल के हमलों के बाद इस क्षेत्र में तनाव बढने से टैंकरों की आवाजाही पर असर हुआ है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। भारत में ईंधन की कीमतों में उछाल या पैनिक स्थिति न बने, इसके लिए यह ग्रुप एक्टिव रूप से काम करेगा।

जनता को राहत देने का फैसला : इसी क्रम में सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य कर दी है। डीजल निर्यात पर लगने वाले लाभ कर और जेट फ्यूल पर करों में भी संशोधन किया गया है। केंद्र ने लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई मंत्रियों ने साफ कहा कि देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा। जनता से पैनिक न फैलाने की अपील की गई है। राजनाथ सिंह की अगुवाई वाला यह इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए निरंतर निगरानी रखेगा।

राजनीति

खामेनेई के पोस्टर, ईरान जिंदाबाद के नारे, जमकर हुआ हंगामा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस विधायकों में हाथापाई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर प्रदर्शन हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता खामेनेई की तस्वीर लेकर सदन के अंदर पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओ ने खामेनेई के पोस्टर भी लहराए। नेशनल कॉन्फ्रेंस और महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायकों ने सदन में इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस बीच, सदन में कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच धक्का-मुक्की का भी वीडियो सामने आया। हालांकि, ये विवाद भाजपा नेताओं के राहुल पर कमेंट को लेकर था। कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने कहा, 'राहुल गांधी पप्पू हैं।' इसके बाद दोनों नेताओं में हाथापाई होने लगी।

वहीं, ईरान युद्धपर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जिस तरह ईरान पर यह युद्ध थोपा गया, उसके समर्थन में कोई खड़ा नहीं होगा। जिस तरह मानवता की हत्या हुई और ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई साहब, उनके कई साथी और करीबी रिश्तेदार मारे गए, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा, हम ईरान के साथ खड़े हैं। हमारी पार्टी और जम्मू-कश्मीर की सरकार उनके साथ खड़ी है। जैसे सीएम उमर अब्दुल्ला ने पिछली बार सिविल सोसाइटी में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा की थी। वैसे ही, आज हम सब यहां खड़े हैं। हम समझते हैं कि जिस तरह से खामेनेई को मारा गया, किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का कोई हक नहीं है। मुझे लगता है कि देश की टॉप लीडरशिप को इसकी निंदा करनी चाहिए।

313 कछुए जब्त करने के बाद वन विभाग की चेतावनी, वन्यजीवों को बेचा, खरीदा या पाला तो 7 वर्ष की जेल

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित वन्यजीवों की अवैध बिक्री और पालन को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने साफ कहा है कि ऐसे मामलों में कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में फरवरी 2026 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 313 जीवित कछुए जब्त किए गए थे। ये कछुए अनुसूची-1 प्रजाति के थे, जिनका व्यापार पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और एक संगठित गिरोह का भी खुलासा हुआ।

वन विभाग ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रतिबंधित जीवों का शिकार करना, खरीदना, बेचना, पालना या उनका परिवहन करना अपराध है। इसके बावजूद कुछ पेट शॉप और एक्वेरियम दुकानों में कछुए, पक्षी और अन्य जीवों की अवैध बिक्री की शिकायतें मिल रही हैं। विभाग ने दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि बिना अनुमति किसी भी प्रतिबंधित प्रजाति का व्यापार न करें और अपने पास मौजूद जीवों के सभी जरूरी दस्तावेज रखें। साथ ही सोशल मीडिया या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऐसे जीवों की बिक्री या प्रचार करने से भी मना किया गया है।

आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित वन्यजीवों को न खरीदें और न ही घर में पालें। अगर कहीं ऐसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचित करें। इसके लिए वन विभाग ने टोल-फ्री नंबर भी जारी किया है। वन विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसमें 7 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णामूर्ति ने नागरिकों, दुकानदारों और मीडिया से वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

1 अप्रैल से विशेष अभियान शुरू होगा, आधार कार्ड स्कूलों में ही बनेंगे और अपडेट भी होंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूलों में अब विद्यार्थियों के आधार कार्ड से जुड़े काम वहीं पूरे किए जाएंगे। इसके लिए 1 अप्रैल से 15 मई तक विशेष शिविर लगाए जाएंगे, ताकि बच्चों को बाहर जाने की जरूरत न पड़े। राज्य शिक्षा केंद्र और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा यूआईडीएआई के सहयोग से 'विद्यार्थियों के लिए आधार, अब स्कूल के द्वार' अभियान का अगला चरण शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट

(एमबीयू) को पूरा करना है। इस पहल के तहत स्कूलों में ही आधार नामांकन और अपडेट की सुविधा मिलेगी। करीब 500 से अधिक ऑपरेटर्स को इसके लिए नियुक्त किया गया है। स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल पर ऐसे विद्यार्थियों की सूची अपडेट करें, जिनका आधार बायोमेट्रिक अपडेट लंबित है, और उनके लिए रोस्टर तैयार करें। बच्चों के लिए दो बार बायोमेट्रिक अपडेट जरूरी होता है। पहला 5 साल की उम्र में और दूसरा 15 साल की उम्र में। 15 से 17 वर्ष के बीच यह अपडेट मुफ्त है, जबकि इसके बाद शुल्क देना होता है। अपडेटेड आधार कार्ड स्कूल एडमिशन, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी योजनाओं के लिए जरूरी है। साथ ही, इससे छात्रों की अपार आईडी बनाना भी आसान हो जाता है, जिसमें उनके सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहते हैं। इससे पहले हुए अभियान में प्रदेश के 2000 से अधिक स्कूलों में शिविर लगाए गए थे, जिनमें 15 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपने आधार अपडेट कराए थे।

धनवाल की याचिका पर जबलपुर उच्च न्यायालय ने नहीं दिया स्थगन

भोपाल। अपेक्स बैंक द्वारा दिनांक 22-3-26 को आदेश क्रमांक मप्रमु/13/केडर/प्रसं/2979 से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित सीधी के निलंबित मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीएस धनवाल द्वारा जबलपुर उच्च न्यायालय में अपने निलंबन आदेश को चुनौती देते हुए याचिका क्रमांक 10732/2026 प्रस्तुत की थी। इस याचिका में माननीय उच्च न्यायालय की एकल पीठ के माननीय न्यायमूर्ति श्री मनिंदर सिंह भट्टी की पीठ के समक्ष दिनांक 26 मार्च 2026 की तिथि सुनवाई के लिए नियत की गई थी, जिसमें श्री धनवाल के अधिवक्ता द्वारा निलंबन आदेश को स्थगित करने का निवेदन किया गया, जिस पर अपेक्स बैंक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरप्रीत सिंह रूपरा एवं अधिवक्ता श्री कपिल दुग्गल एवं शासन की ओर से उपमहाधिवक्ता श्री स्वप्निल गांगुली ने पुरजोर विरोध करते हुए तर्क किया कि उनका जवाब तैयार है एवं जवाब पेश होने के उपरांत ही मुकदमे की सुनवाई करने का निवेदन किया।

एक अप्रैल से दर्द से लेकर बुखार तक की दवाएं महंगी होंगी

नई दिल्ली। आम लोगों की जेब पर एक और असर पड़ने वाला है। 1 अप्रैल से पेरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स और अन्य जरूरी दवाओं के दाम बढ़ने जा रहे हैं। सरकार ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल दवाओं की कीमतों में करीब 0.6 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की अनुमति दे दी है। यह बढ़ोतरी 1000 से ज्यादा आवश्यक दवाओं पर लागू होगी।राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने बताया, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग में आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के आधार पर, वर्ष 2025 के दौरान वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में में वार्षिक बदलाव (+) 0.64956 प्रतिशत है।

धनुर्धारी राम बने ठाकुर श्री द्वारकाधीश, मनमोहक छवि ने भक्तों को किया मंत्रमुग्ध

» बड़े मंदिर में गूंजा 'भये प्रगट कृपाला', धूमधाम से मनाया गया श्रीराम जन्मोत्सव, कथा के समापन पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

इटारसी। नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र ठाकुर श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर, तुलसी चौक में शुक्रवार को श्रीराम नवमी के अवसर पर भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भगवान द्वारकाधीश की प्रतिमा को धनुर्धारी प्रभु श्रीराम के स्वरूप में सजाया गया, जिसकी मनोहारी छवि ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दोपहर ठीक 12 बजे श्रीराम जन्म के पावन क्षण पर मंदिर में घंटे-घड़ियाल गूंज उठे, आतिशबाजी हुई और 'भये प्रगट कृपाला' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। भगवान को श्रीराम की पोशाक पहनाकर धनुष धारण कराया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

प्रातःकाल से ही मंदिर में अभिषेक, पूजन-अर्चन और आरती का क्रम चलता रहा। श्रीराम जन्म महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कथा में व्यासपीठ से प्रवचन देते हुए जगद्गुरु स्वामी शंकराचार्य ओंकारानंद सरस्वती महाराज ने श्रीराम के अवतार को सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम का जन्म कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना और संतों, गौ तथा ब्राह्मणों की रक्षा हेतु विधाता का निश्चित कार्य था। कार्यक्रम में मंदिर समिति एवं श्रीराम जन्म महोत्सव समिति के पदाधिकारियों सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने आयोजन में सहभागिता की। नौ दिवसीय श्रीराम कथा का इस अवसर पर विधिवत समापन हुआ और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा।

सड़क पर अतिक्रमण कर मार्ग अवरुद्ध करने वालों पर पुलिस सख्त, दो दुकानदारों पर मामला दर्ज

इटारसी। नगर के व्यस्त बाजार क्षेत्र में सड़क पर दुकान लगाकर अतिक्रमण करने और आवागमन बाधित करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सिटी पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। लगातार चेतावनी और समझाइश देने के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने पर थाना इटारसी पुलिस ने दो दुकानदारों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाजार क्षेत्र में स्थित जैन जनरल स्टोर के संचालक प्रकाश जैन एवं संतोष जनरल स्टोर के संचालक संतोष मेंधानी द्वारा सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से सामान रखकर अतिक्रमण किया जा रहा था। इससे राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

इस संबंध में नागरिकों द्वारा थाना प्रभारी (टीआई) गौरव सिंह बुंदेला को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए टीआई बुंदेला ने बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थिति सही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों दुकानदारों के सार्वजनिक स्थान पर रखे सामान को जब्त किया गया।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत अपराध क्रमांक 252/26 एवं 253/26 पंजीबद्ध किया है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाले किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

प्रशासन की अपील- पुलिस ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे अपनी दुकान का सामान निर्धारित सीमा के भीतर रखें और सार्वजनिक मार्गों को अवरुद्ध न करें, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तीन या अधिक संतान वालों को भी मिलेगी सरकारी नौकरी, मप्र में दो बच्चों का नियम खत्म होगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी से जुड़ा करीब 24 साल पुराना दो बच्चों वाला नियम अब खत्म होने की तैयारी में है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे मुख्यमंत्री से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा। अगर कैबिनेट से मंजूरी मिलती है, तो तीन या उससे अधिक बच्चों वाले लोगों को सरकारी नौकरी से न तो बाहर किया जाएगा और न ही नौकरी पाने से रोका जाएगा। अभी तक इस नियम के कारण कई कर्मचारी और उम्मीदवार प्रभावित हो रहे थे। बता दें, साल 2001 में तत्कालीन सरकार ने सिविल सेवा नियमों में बदलाव कर यह प्रावधान लागू किया था। इसके तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी में नियुक्ति या नौकरी जारी रखने में दिक्कत आती थी। यानी उनको अपात्र माना जाता था। इस बदलाव का सबसे ज्यादा फायदा शिक्षा विभाग को मिलेगा। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में शिक्षक ऐसे हैं जो इस नियम से प्रभावित थे। नया नियम लागू होने के बाद उनकी नौकरी सुरक्षित हो जाएगी। इसके अलावा स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में भी हजारों मामले लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें अब सुलझाया जा सकेगा।

पुराने मामलों पर भी फैसला होगा

सरकार उन कर्मचारियों को भी राहत देने पर विचार कर रही है, जिन्हें तीसरी संतान के कारण नौकरी से हटाया गया था या जिनके मामले कोर्ट में चल रहे हैं। कैबिनेट इन सभी मामलों पर अंतिम निर्णय ले सकती है। बता दें पिछले कुछ वर्षों में इस नियम को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ बताया गया और बदलते सामाजिक हालात के हिसाब से इसे पुराना माना गया। इसी बीच जनसंख्या संतुलन को लेकर भी चर्चा तेज हुई, जिसके बाद सरकार ने इस पर पुनर्विचार शुरू किया।

दूसरे राज्यों में पहले ही बदलाव

मध्य प्रदेश से पहले राजस्थान और छत्तीसगढ़ इस नियम को खत्म कर चुके हैं। वहां तीन या उससे अधिक बच्चों वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के सरकारी सेवा में बने रह सकते हैं। सरकार इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट में रख सकती है, जिसके बाद इस नियम को आधिकारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा।

ई-टेंडर से बढ़ा करोड़ का राजस्व, इटारसी में एक ही ठेकेदार को सभी दुकानें

नर्मदा पुरम। मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के तहत नर्मदापुरम जिले में वर्ष 2026-27 के लिए मदिरा दुकानों का ई-टेंडर के माध्यम से निष्पादन (ठेका) सरकार के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हुआ है। जिले में 395 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में जिले में उल्लेखनीय वृद्धि है। वहीं, इटारसी शहर में सभी शराब दुकानें एक ही ठेकेदार के हाथ में जाने से कीमतों में संभावित वृद्धि और सामाजिक प्रभावों को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। नई आबकारी नीति के तहत नर्मदापुरम जिले की 62 कम्पोजिट मदिरा दुकानों को 14 समूहों में विभाजित कर ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के जरिए निष्पादित किया गया। वर्ष 2025-26 के 313.98 करोड़ रुपये के मुकाबले इस बार 376.78 करोड़ रुपये का आरक्षित मूल्य तय किया गया था, लेकिन प्रक्रिया के अंत में कुल 395.59 करोड़ रुपये की बोली प्राप्त हुई। यह न केवल आरक्षित मूल्य से लगभग 5 प्रतिशत अधिक है, बल्कि पिछले वर्ष की तुलना में करीब 26 प्रतिशत की वृद्धि भी दर्शाता है।

जिला प्रशासन के अनुसार, इस बढ़े हुए राजस्व से सरकारी योजनाओं—विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और जनकल्याण—को गति मिलेगी। साथ ही, पारदर्शी ई-टेंडरिंग प्रक्रिया से भ्रष्टाचार की संभावनाओं में भी कमी आई है। हालांकि, इसी प्रक्रिया का एक अलग पहलू इटारसी शहर में सामने आया है, जहां इस बार सभी शराब दुकानें एक ही ठेकेदार के पास चली गई हैं। पूर्व में अलग-अलग ठेकेदारों के कारण बाजार में प्रतिस्पर्धा बनी रहती थी, जिससे उपभोक्ताओं को कीमतों में कुछ राहत मिल जाती थी। अब एकाधिकार जैसी स्थिति बनने से कीमतों में संभावित वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। शहर में इस मुद्दे को लेकर सार्वजनिक स्थलों और चौराहों पर चर्चाएं तेज हैं। जानकारों का मानना है कि प्रतिस्पर्धा खत्म होने से कीमतों पर नियंत्रण कमजोर पड़ सकता है, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, एक ओर जहां सरकार को बढ़ा हुआ राजस्व मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर शराब की उपलब्धता और बाजार संरचना में बदलाव से सामाजिक प्रभाव भी सामने आ सकते हैं। नशाखोरी, पारिवारिक विवाद, स्वास्थ्य समस्याएं और सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि जैसी चिंताएं पहले से मौजूद हैं। इसके अलावा, यदि कीमतों में वृद्धि होती है, तो कुछ उपभोक्ता सस्ते विकल्पों की तलाश में अवैध शराब की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे गैरकानूनी कारोबार को बढ़ावा मिलने की आशंका भी बनी रहती है।

इनका कहना : सरकार को ई-टेंडर से अच्छा राजस्व मिला है, जो विकास के लिए सकारात्मक है। हमारे द्वारा अवैध शराब पर हमेशा कार्रवाई की जाती है एवं इस वर्ष भी कड़ी नजर रखते हुए व्यवस्था पर निगरानी रखी जाएगी।

अरविंद सागर जिला आबकारी अधिकारी

बिजली का बिल 4.80 प्रतिशत महंगा, विद्युत नियामक आयोग ने जारी किया टैरिफ

भोपाल। मध्य प्रदेश की जनता को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि राज्य में बिजली की दरों में 4.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। एमपी विद्युत नियामक आयोग ने 2026-27 के लिए यह वृद्धि की है। बिजली कंपनियों ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6044 करोड़ रुपए के घाटे का सामना किया, और इस घाटे को कवर करने के लिए बिजली दरों में यह बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल केवल 3.46 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी की गई थी, जबकि कंपनियों ने 7.52 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की थी।

मध्यप्रदेश में बिजली दर में 4.80त्न की बढ़ोतरी की गई है। एमपी विद्युत नियामक आयोग ने यह निर्णय लिया है, जिसे लेकर बिजली कंपनियों ने पहले ही घाटे की भरपाई के लिए यह बढ़ोतरी करने की मांग की थी। इस बढ़ोतरी से बिजली उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर प्रभावित होना पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अब अधिक भुगतान करना होगा। बिजली कंपनियों ने बताया कि उन्हें पिछले वित्तीय वर्ष में 6044 करोड़ का घाटा हुआ है। इस घाटे को कवर करने के लिए उन्होंने से बिजली दरों में बढ़ोतरी की अनुमति मांगी थी।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन करुणा और आदर्श का शाश्वत प्रकाश

सुशील कुमार जैन

भारतीय संस्कृति के विशाल आकाश में यदि कोई व्यक्तित्व सबसे अधिक उज्ज्वल, संतुलित और प्रेरणादायक रूप में दिखाई देता है, तो वह हैं भगवान राम। राम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक चरित्र नहीं हैं, बल्कि वे जीवन के प्रत्येक आयाम में आदर्श स्थापित करने वाली चेतना हैं। रामनवमी का पर्व इसी आदर्श के जन्म का उत्सव है—एक ऐसा अवसर, जब हम केवल उत्सव नहीं मनाते, बल्कि अपने जीवन को भी उनके सिद्धांतों के अनुरूप ढालने का संकल्प लेते हैं।

राम का जीवन चरित्र जितना सरल दिखाई देता है, उतना ही गहन और प्रेरणादायक है। अयोध्या में राजा दशरथ के यहाँ जन्मे राम ने बचपन से ही अनुशासन, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त करते समय उन्होंने ज्ञान के साथ-साथ जीवन मूल्यों को आत्मसात किया। यही कारण है कि आगे चलकर वे केवल एक राजा नहीं, बल्कि ÷मर्यादा पुरुषोत्तम÷ बने।

राम के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है—मर्यादा। उन्होंने हर परिस्थिति में मर्यादा का पालन किया, चाहे वह पुत्र धर्म हो, पति धर्म हो, या राजा का कर्तव्य। जब पिता के वचन को निभाने के लिए उन्हें 14 वर्ष का वनवास स्वीकार करना पड़ा, तब उन्होंने बिना किसी विरोध के उसे

स्वीकार किया। यह त्याग केवल एक पुत्र का नहीं, बल्कि एक आदर्श मनुष्य का था, जो अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार की प्रतिष्ठा को रखता है।

वनवास का काल राम के जीवन का सबसे कठिन और निर्णायक समय था। यहाँ उन्होंने संघर्ष, धैर्य और संयम का परिचय दिया। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। सीता हरण के बाद रावण के विरुद्ध युद्ध केवल एक व्यक्तिगत संघर्ष नहीं था, बल्कि यह धर्म और अधर्म के बीच का निर्णायक युद्ध था। इस युद्ध में राम की विजय केवल शक्ति की नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और धर्म की विजय थी।

राम की एक और महत्वपूर्ण विशेषता है—करुणा और सहानुभूति। उन्होंने समाज के हर वर्ग को समान सम्मान दिया। निषादराज, शबरी, हनुमान—सभी के प्रति उनका व्यवहार प्रेम और सम्मान से भरा हुआ था। यह दर्शाता है कि राम का व्यक्तित्व किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि वे समस्त समाज को साथ लेकर चलने वाले आदर्श नेता थे।

रामराज्य की कल्पना आज भी आदर्श शासन का प्रतीक मानी जाती है। जब राम अयोध्या लौटे और राजा बने, तब उन्होंने ऐसा शासन स्थापित किया जहाँ न्याय, समानता और समृद्धि का वास था। रामराज्य केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं थी, बल्कि वह एक ऐसी सामाजिक संरचना थी, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और सुरक्षा प्राप्त थी।

आज के संदर्भ में राम का जीवन और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। जब समाज में मूल्य संकट, नैतिक पतन और आपसी वैमनस्य बढ़ रहा है, तब राम का आदर्श हमें दिशा दिखाता है। वे हमें सिखाते हैं कि सच्चा धर्म केवल पूजा-पाठ में नहीं, बल्कि हमारे आचरण, व्यवहार और निर्णयों में झलकता है।

रामनवमी का यह पर्व हमें केवल भगवान राम के जन्म की याद दिलाने के लिए नहीं है, बल्कि यह हमें आत्मचिंतन का अवसर भी देता है। यह सोचने का समय है कि क्या हम अपने जीवन में राम के आदर्शों को अपना पा रहे हैं? क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही ईमानदार हैं, जितने राम थे? क्या हम अपने समाज के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितने वे थे?

वास्तव में, राम एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार हैं—ऐसा विचार जो हमें हर परिस्थिति में सही मार्ग चुनने की प्रेरणा देता है। यदि हम उनके जीवन से एक भी गुण अपने जीवन में उतार सकें, तो यह रामनवमी हमारे लिए सार्थक हो जाएगी।

अंततः, रामनवमी का यह पावन पर्व हमें यह संदेश देता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, यदि हमारे भीतर सत्य, मर्यादा और करुणा का दीप जल रहा है, तो हम हर चुनौती को पार कर सकते हैं। यही राम का संदेश है, यही राम की महिमा है—और यही उनकी शाश्वत प्रासंगिकता।

शहर में जल संरक्षण की जागरूकता, गांवों में भी बड़े स्तर पर अभियान असरदार बनने की ओर

भेरूंदा नगर परिषद भेरूंदा द्वारा उन्नीस मार्च से तीन अप्रैल तक संचालित जल गंगा संरक्षण अभियान शहर में जनजागरण का सशक्त रूप लेता नजर आ रहा है और अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसे प्रभावी बनाने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं।

शहरी क्षेत्र में नागरिक जल संरक्षण के प्रति सजग होकर आगे आ रहे हैं, वहीं गांवों में भी जल स्त्रोतों के संरक्षण की आवश्यकता को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। पंचायत भेरूंदा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में शासकीय तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों को सुरक्षित रखने और पुनर्जीवित करने के प्रयास जारी हैं।

नदी किनारे की शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कर प्राकृतिक जल प्रवाह को सुचारु बनाने की दिशा में पहल की जा रही है। साथ ही अनियंत्रित जल दोहन पर नियंत्रण और संतुलित सिंचाई के प्रति किसानों को प्रेरित किया जा रहा है, जिससे नदियों और जल स्त्रोतों को संरक्षित किया जा सके।

अभियान में ग्रामीण विकास, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि एवं वन विभाग की सहभागिता बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। विभिन्न विभागों के समन्वय से जमीनी स्तर पर कार्यों को गति देने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे अभियान को व्यापक और प्रभावी बनाया जा सके।

अभियान के तहत तालाबों के गहरीकरण, सफाई और जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही नियमित निरीक्षण के माध्यम से कार्यों की प्रगति सुनिश्चित की जा रही है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को भी गति दी जा रही है।

नगर परिषद द्वारा वार्ड एवं जल स्त्रोतों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर घर-घर जाकर जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। नगर परिषद के अध्यक्ष मारुति शिशिर ने कहा कि जल का निर्माण संभव नहीं है, केवल संरक्षण ही विकल्प है। जल ही जीवन का आधार है, इसलिए अभी से जागरूक होना आवश्यक है।

वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी आरपी भावरे ने कहा है कि जनभागीदारी के बिना कोई भी अभियान सफल नहीं हो सकता, इसलिए सभी नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है।

कुल मिलाकर भेरूंदा में जल संरक्षण का यह अभियान अब शहर से निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है, जो आने वाले समय में जल संकट को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आयुध निर्माणी इटारसी में प्रमोशन को लेकर कर्मचारियों का विरोध, लंच बहिष्कार कर जताई नाराजगी

न्यायालय के आदेश के बावजूद MCM से चार्जमैन पदोन्नति में देरी पर आंदोलन तेज, कल महानिदेशक को भेजा जाएगा ज्ञापन

इटारसी। आयुध निर्माणी इटारसी में मास्टर क्राफ्ट्समैन (एमसीएम) से चार्जमैन पद पर पदोन्नति में हो रही देरी के विरोध में कर्मचारियों ने आंदोलन तेज कर दिया है। शुक्रवार को भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के आह्वान पर आयुध निर्माणी कर्मचारी संघ (BMS यूनियन) के बैनर तले कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की और दोपहर में लंच बहिष्कार कर अपनी नाराजगी जताई। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि विभिन्न उच्च न्यायालयों के आदेश के बाद भी महीनों बीत जाने के बावजूद प्रशासन द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है।

कर्मचारियों का कहना है कि मास्टर क्राफ्ट्समैन के पद खाली नहीं होने के कारण उच्च कुशल-1 (HS-1) के कर्मचारियों का प्रमोशन अटका हुआ है, जिससे अन्य पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की पदोन्नति भी प्रभावित हो रही है। समय पर प्रमोशन नहीं मिलने से कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनके श्रमिक अधिकारों का हनन हो रहा है, जिससे निर्माणी में असंतोष का माहौल है।

यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही, 28 मार्च 2026 को मुख्य महाप्रबंधक के माध्यम से महानिदेशक, आयुध निर्माणी बोर्ड (DOO C&S), कोलकाता को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा।

इस दौरान जेसीएम सदस्य अमित बाजपेई, यूनियन अध्यक्ष कुलदीप चौधरी, महामंत्री कृष्णा शर्मा सहित राजेश रोशन, सत्येंद्र शाक्य, अतुल सिंह, दीपेश यादव, अजीत पटेल, जय नारायण विश्वकर्मा, हमीर सिंह, राकेश कुमार, रविंद्र मालवीय, अनंत ज्योतिष, दिनेश सैनी, ललित यादव, रमेश कुमार, अजय विक्रम वर्मा, राजपूत सुरेश, कालिदास, दिनेश यादव, संदीप गौर, प्रभास कुमार, आल्हा वर्मा, जोधराज पारित, जितेंद्र नागर, विपुल निनामा, सौरभ साहू, सचिन श्रीवास्तव, रामू सिंह, सेवक राम साहू सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

भेरुंदा में तैयार 'लाल बहादुर शास्त्री कॉम्प्लेक्स': 38 दुकानों से बढ़ेगा व्यापार, ऑनलाइन होगी आवंटन प्रक्रिया

भेरुंदा। नगर परिषद भेरुंदा द्वारा शहर के विकास को नई दिशा देते हुए आधुनिक और भव्य शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस कॉम्प्लेक्स का नाम देश के पूर्व प्रधानमंत्री 'लाल बहादुर शास्त्री के नाम पर 'लाल बहादुर शास्त्री कॉम्प्लेक्स' रखा गया है। करीब 16 हजार वर्ग फीट क्षेत्रफल में निर्मित इस कॉम्प्लेक्स में कुल 38 दुकानों का निर्माण किया गया है। इनमें 19 दुकानें ग्राउंड फ्लोर पर तथा 19 दुकानें प्रथम तल पर स्थित हैं। नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के निर्माण में लगभग 2 करोड़ 74 लाख 74 हजार 518 रुपए की लागत आई है। कॉम्प्लेक्स का उद्देश्य नगर के व्यापार को गति देना और परिषद की आय में वृद्धि करना है।

व्यापार के लिए उपयुक्त स्थान

बस स्टैंड के समीप स्थित यह कॉम्प्लेक्स व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान पर तैयार किया गया है, जहां व्यापारियों को बेहतर अवसर मिलने की संभावना है।

ऑनलाइन प्रक्रिया से होगा आवंटन

दुकानों के आवंटन के लिए इस बार पारंपरिक बोली प्रक्रिया के बजाय पारदर्शी ऑनलाइन प्रणाली अपनाई गई है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी नगर परिषद की राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

सभी वर्गों को मिलेगा अवसर

नगर परिषद ने सामाजिक समरसता को ध्यान में रखते हुए दुकानों के आवंटन में आरक्षण व्यवस्था भी सुनिश्चित की है, ताकि हर वर्ग को समान अवसर मिल सके।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रानी तालाब मंदिर में की पूजा-अर्चना

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर में स्थित रानी तालाब मंदिर में महाअष्टमी के अवसर पर माँ काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उप मुख्यमंत्री ने सभी के कल्याण के लिए मंगल कामना की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोज कराया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बेला-चोरहटा बायपास निर्माण कार्य का लिया जायजा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में बेला-चोरहटा बायपास निर्माण कार्य का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। यह मार्ग क्षेत्रीय यातायात को सुगम बनाते हुए आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करेगा। हमारा लक्ष्य है कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित हों, जिससे प्रदेश की आधारभूत संरचना और अधिक सुदृढ़ हो।

हिनौती गौधाम के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने न्यू सर्किट हाउस रीवा में हिनौती गौधाम में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि शेष कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने गौ शेड के अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माणाधीन गेस्ट हाउस के शेष कार्य आगामी 3 दिनों में पूर्ण करें। उन्होंने कार्यों के भुगतान के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में ही बनेंगे और अपडेट होंगे आधार कार्ड

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सहयोग से प्रदेश के स्कूलों में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 'विद्यार्थियों के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार' शिविर का अगला चरण एक अप्रैल से शुरू किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विद्यालय परिसर में ही आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें नामांकन और अपडेट के लिए अलग से कहीं जाने की आवश्यकता न पड़े। यह कार्यक्रम 18 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 के बीच दो चरणों में आयोजित किया जा चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिला था।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट को पूर्ण करने के उद्देश्य से 'विद्यार्थियों के लिए आधार, अब स्कूल के द्वार' अभियान का अगला चरण प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर 15 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

500 से अधिक ऑपरेटर्स का किया गया है चयन: आधार शिविरों के कुशल संचालन के लिए लगभग 500 से अधिक ऑपरेटर्स का चयन किया गया है। इसके साथ ही इस सबंध में शालाओं के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित भी किया गया है कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल से उन विद्यार्थियों की सूची अद्यतन कर लें जिनके आधार में एमबीयू पेंडिंग हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आधार अपडेट कराने के लिये जागरूक करें और इसके लिए एक रोस्टर बनाएं।

स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। जिसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आइरिस स्केन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब बच्चा 15 वर्ष का हो जाए। दूसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होता है।

अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत अपार आईडी (अपार आईडी) बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। अपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहित, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। अपार आईडी के लिए महत्वपूर्ण है कि स्कूलों द्वारा अपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए।

स्कूल एडमीशन, प्रवेश परीक्षा, स्कॉलरशिप और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रोग्राम जैसी सर्विस पाने के लिए स्टूडेंट के पास मौजूदा बायोमेट्रिक्स वाला आधार होना ज़रूरी है। स्टूडेंट्स के लिए सबसे नए बायोमेट्रिक्स वाला अपडेटेड आधार भी ज़रूरी है, क्योंकि एनटीए, यूपीएससी, जेईई, एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने और परीक्षा केन्?द्रों में आगे एंट्री के लिए मोबाइल नंबर से जुड़ी आधार विवरण आवश्?यक होता है। अपडेटेड आधार से स्टूडेंट की अपार आईडी भी आसानी से बन जाती है।

बीज संघ हाइब्रिड बीजों का उत्पादन कर किसानों को बाजार से आधी कीमत पर उपलब्ध कराएगा : मंत्री सारंग

'एम.पी. के चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड बनाने की होगी पहल

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने राज्य सहकारी बीज एवं विपणन संघ मर्यादित, भोपाल (बीज संघ) के संचालक मंडल की बैठक में बीज उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा किसानों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बीज संघ द्वारा मक्का, नॉन-जीएम कपास एवं सब्जियों के हाइब्रिड बीजों का उत्पादन एवं विपणन किया जाएगा। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज बाजार मूल्य की तुलना में लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इससे किसानों की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

मंत्री श्री सारंग ने बीज संघ के 'चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीजों की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सोशल मीडिया, कृषि मेलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में बताया गया कि बीज प्रसंस्करण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई सीड प्रोसेसिंग यूनिट एवं कलर सॉर्टेक्स मशीनें स्थापित की जाएंगी। प्रथम चरण में यह कार्य गुना एवं खरगोन में प्रारंभ किया जाएगा, जिसे पैक्स एवं सहकारी समितियों के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तारित किया जाएगा।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि किसानों को बीज उत्पादन के लिए प्रशिक्षित किया जाए। जिन किसानों ने बीज उत्पादन में अच्छा कार्य किया है, उनके माध्यम से अन्य किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए तथा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बीज उत्पादन योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि बीज संघ आगामी समय में बीज उत्पादन, ब्रांडिंग, प्रसंस्करण एवं विपणन को मजबूत करते हुए किसानों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य करे। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक संस्थाएं श्रीमती शीला दाहिमा, राज्य विपणन संघ के प्रबंध संचालक श्री अभिजीत अग्रवाल, बीज निगम के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान योजना में 25 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने लिया लाभ : तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि समाधान योजना में अब तक 25 लाख 75 हजार बिजली उपभोक्ताओं में सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है। उन्होंने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय व अंतिम चरण को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। पूर्व में यह योजना 28 फरवरी तक लागू थी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 3 नवम्बर को समाधान योजना 2025-26 की शुरुआत हुई थी। समाधान योजना में तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि यदि वे तीन माह से अधिक के बकाएदार हैं और योजना में अभी तक शामिल नहीं हो पाए वे अब 31 मार्च तक योजना में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 में अभी तक 25 लाख 75 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लिया है। कुल 1231 करोड़ 68 लाख रूपये जमा किये गये हैं, जबकि 420 करोड़ 93 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 7 लाख 63 हजार बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 701 करोड़ 91 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 301 करोड़ 22 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है। इसी तरह पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 9 लाख 62 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 275 करोड़ 46 लाख रूपये जमा हुए हैं, जबकि 83 करोड़ 77 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 8 लाख 50 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 254 करोड़ 31 लाख रूपये जमा हुए हैं, जबकि 35 करोड़ 94 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। योजना में एक मुश्त भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान बन रहा जल संरक्षण का सशक्त माध्यम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' प्रदेश में जल संरक्षण की सशक्त पहल बनकर उभरा है। जनभागीदारी, जागरुकता और सामूहिक प्रयासों से यह अभियान जल संकट के समाधान के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' जल संरक्षण और संवर्धन का सशक्त माध्यम बन गया है। 'बूंद-बूंद का संरक्षण' और 'जनभागीदारी' के सिद्धांत पर संचालित हो रहा यह अभियान पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और राज्य को जल-संपन्न बनाने की दिशा में प्रभावकारी सिद्ध रहा है। जबलपुर संभाग में अभियान के अंतर्गत नर्मदा नदी सहित क्षेत्र के तालाबों, कुओं और अन्य जल संरचनाओं के पुनर्भरण, साफ-सफाई और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सक्रिय जन भागीदारी ने इस अभियान को जन-आंदोलन बना दिया है। इस अभियान से जल प्रबंधन और पर्यावरण पारिस्थितिकी संतुलन की स्थिति में सुधार हो रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जबलपुर जिले के कुंडम विकासखंड में कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम झोझ स्थित खेरमाता मंदिर परिसर में जल चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। साथ ही जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और सोक-पिट्स के निर्माण की कार्ययोजना तैयार की गई।

अभियान के अंतर्गत कटनी जिले के रीठी विकासखंड के ग्राम पोड़ी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नवांकुर संस्था द्वारा जल जागरूकता चौपाल आयोजित की गई। इस दौरान तालाब, नदी, बावड़ी जैसे जल स्त्रोतों के गहरीकरण, साफ-सफाई से वर्षा जल संरक्षण के लिये श्रमदान का संकल्प दिलाया गया।

बैसाखी पर्व के अवसर पर दिल्ली-अशोकनगर के बीच विशेष ट्रेन का संचालन

भोपाल। यात्रियों की सुविधा एवं आगामी बैसाखी पर्व के दौरान तीर्थ यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए, रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन से अशोकनगर रेलवे स्टेशन के मध्य चलाई जाएगी।

ट्रेन संचालन विवरण इस प्रकार है: गाड़ी संख्या 04004 दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन से अशोकनगर रेलवे स्टेशन के लिए दिनांक 11.04.2026 (शनिवार) को दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 04003 अशोकनगर रेलवे स्टेशन से दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन के लिए दिनांक 15.04.2026 (बुधवार) को शाम 17.00 प्रस्थान करेगी।

कोच संरचना:

इस विशेष ट्रेन में कुल 24 आईसीएफ कोच (बायो-टॉयलेट सहित) लगाए जाएंगे, जिनमें 01 थर्ड, 02 स्लीपर, 19 जनरल कोच एवं 02 एसएलआर कोच शामिल हैं।

मुख्य ठहराव (दोनों दिशाओं में):

यह विशेष ट्रेन मार्ग में फरीदाबाद रेलवे स्टेशन, पलवल रेलवे स्टेशन, कोसीकलां रेलवे स्टेशन, मथुरा जंक्शन, आगरा कैंट, धौलपुर रेलवे स्टेशन, ग्वालियर जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन एवं बीना जंक्शन स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

समय सारणी (संक्षेप में):

दिल्ली सराय रोहिल्ला से प्रस्थान: 12:15 बजे (11.04.2026)

अशोकनगर आगमन: 04:00 बजे (12.04.2026)

अशोकनगर से प्रस्थान: 17:00 बजे (15.04.2026)

दिल्ली सराय रोहिल्ला आगमन: 08:45 बजे (16.04.2026)

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे इस विशेष ट्रेन सेवा का अधिकतम लाभ उठाएं तथा अपनी यात्रा को सुविधाजनक एवं सुरक्षित बनाएं।

भोपाल होकर संचालित हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल के चार फेरे बढ़ाये गए

भोपाल। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए भोपाल होकर हैदराबाद-गोरखपुर के मध्य संचालित स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 07075 हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल की संचालन अवधि को दिनांक 27.03.2026 से बढ़ाकर 24.04.2026 तक किया गया है इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद स्पेशल की संचालन अवधि को दिनांक 29.03.2026 से बढ़ाकर 26.04.2026 कर दिया गया है अर्थात यह स्पेशल ट्रेन अब दोनों दिशाओं में अतिरिक्त 04-04 ट्रिप चलेगी। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि उक्त ट्रेनों की समय-सारणी एवं अन्य जानकारी के लिए रेलवे की अधिकृत सूचना प्रणाली से जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

संपादकीय

मनमाने 'सीट शुल्क' पर तो लगाम, लेकिन अचानक बढ़ाए जाने वाले टिकट दाम पर भी कुछ कर पाएगी सरकार

सुरक्षित और जल्दी गंतव्य तक पहुंचने के लिए अब लोग हवाई यात्रा को प्राथमिकता देते हैं। इससे भारत में घरेलू हवाई यात्रा तेजी से बढ़ी है। मगर विमानन कंपनियां अपनी आय बढ़ाने के लिए जिस तरह से अलग-अलग सुविधाओं के नाम पर शुल्क ले रही हैं, उससे यात्रियों की जेब पर नाहक ही बोझ बढ़ा है। दो मत नहीं कि विमान ईंधन की कीमतों में अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव के कारण विमानन कंपनियों का खर्च बढ़ा है, लेकिन यात्रियों से कुछ सुविधाओं के एवज में मनमाने तरीके से और लगातार शुल्क लिए जाने को उचित नहीं कहा जा सकता। इसीलिए सरकार ने विमानन कंपनियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि हर घरेलू उड़ान में साठ फीसद सीटों पर यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क न लिया जाए। गौरतलब है कि इस संबंध में यात्रियों ने कई बार शिकायतें कीं, लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया जाता रहा। कायदे से विमान किराए में किसी भी तरह की वृद्धि या कोई भी शुल्क लगाने पर स्थायी नियमन होना चाहिए। टिकटों की बिक्री के दौरान शुरू में कम किराया रख कर यात्रियों को आकर्षित करने और फिर टिकटों के दाम बढ़ाते जाने पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। कई बार ऐसा देखा गया है कि संकट के समय या त्योहारों के दौरान विमान किराए मनमाने तरीके से बढ़ा दिए जाते हैं। इस पर डीजीसीए के दखल न देने से विमानन कंपनियां प्राय- इसे अपना अधिकार मान लेती हैं। जबकि हवाई सेवाओं में किसी भी तरह का शुल्क यात्रियों को ध्यान में रख कर ही लिया जाना चाहिए। विचित्र बात है कि एक ही पीएनआर पर परिवार के सदस्यों को एक साथ बैठाने के लिए भी अतिरिक्त शुल्क लिया जाता रहा। यात्रियों के लिए यह राहत की बात है कि सरकार ने अब इस पर भी रोक लगा दी है। सीट चुनने जैसी सुविधा के लिए अलग से शुल्क लिया जा रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या नागर विमानन महानिदेशालय को इस पर रोक नहीं लगानी चाहिए। नए निर्देश से बहुत संभव है कि विमानन कंपनियों की कमाई पर असर पड़े, लेकिन यह यात्रियों के हित में उठाया गया जरूरी कदम है। असम की राजनीति में कई नाम आते हैं, लेकिन कुछ नेता ऐसे होते हैं, जिनकी पूरी जिंदगी सिर्फ सत्ता पाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि जनता के लिए समर्पित रहती है। गोपीनाथ बोरदोलोई उन्हीं नेताओं में से एक थे। उनका जीवन इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने असम को पूर्वी पाकिस्तान (जो बाद में बांग्लादेश बना) में शामिल होने से बचाया और उसे आजाद भारत का हिस्सा बनाकर हमेशा के लिए सुरक्षित कर दिया। वह असम के पहले मुख्यमंत्री बनाए गये थे।

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

-ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलत: सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है। अंतत: यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है।

जीवन धारा: कल का कोई भरोसा नहीं, सूत्र- आज कुछ नया करें

हम अक्सर एक सुरक्षित और सीमित दायरे में जीते रहते हैं, अपने चारों ओर एक नाजुक-सा खोल बना लेते हैं, और मान लेते हैं कि यही जीवन है। फिर अचानक कोई किताब पढ़ते हैं या यात्रा करते हैं और तब हमें एहसास होता है कि हम वास्तव में जी नहीं रहे, बल्कि हम तो सुषुप्त अवस्था में हैं। इस स्थिति के संकेत बहुत आसानी से समझे जा सकते हैं। पहला संकेत है-बेचैनी। दूसरा, और ज्यादा गंभीर संकेत है-जीवन में खुशी का खत्म हो जाना। यह स्थिति देखने में भले ही साधारण लगे, लेकिन धीरे-धीरे यह खतरनाक बन जाती है। एक जैसी जिंदगी, लगातार ऊब और उत्साह की कमी, ये सब मिलकर इन्सान को अंदर ही अंदर खत्म करने लगते हैं। लाखों लोग इसी तरह जीते रहते हैं, या यों कहें कि धीरे-धीरे जीना छोड़ देते हैं, और उन्हें पता भी नहीं चलता कि उनके जीवन से असली खुशी और जीवंतता कब गायब हो गई। वे दफ्तरों में काम करते हैं, परिवारों के साथ पिकनिक मनाते हैं। सब कुछ सामान्य चलता रहता है। फिर अचानक कोई चीज उन्हें झकझोर देती है-कोई इन्सान, कोई किताब या कोई गीत। वह उन्हें जैसे नींद से जगा देता है और उन्हें जीवन का असली एहसास करा देता है।

हालांकि, एक सच यह भी है कि कुछ लोग कभी जाग ही नहीं पाते।

जीवन का असली रहस्य यह है कि हम इसे ऐसे जिएं, जैसे कल का कोई भरोसा न हो, जैसे हम खुद भी कल यहां हों या न हों। जब हम ऐसा सोचते हैं, तब टालने की आदत अपने आप खत्म होने लगती है। हम काम को अधूरा नहीं छोड़ते, रिश्तों को नजरअंदाज नहीं करते, और हर पल को पूरी शिद्दत के साथ जीते हैं। इस विचार ने मुझे हर मिलने वाले, हर परिचय, हर संवाद के प्रति अधिक सतर्क बना दिया।

यह अनुभूति आज के समय में दुर्लभ हो गई है और दिन-ब-दिन दुर्लभ होती जा रही है, क्योंकि अब हम एक तेज और सतही गति में जी रहे हैं। आज हम मानते हैं कि हम अधिक लोगों, देशों, स्थानों के संपर्क में हैं। लेकिन यह एक भ्रम है, जो हमें हमारे पास मौजूद व्यक्ति से गहराई से जुड़ने से वंचित कर देता है। जब तकनीक इन्सानों के बीच की जगह लेने लगती है, और हमें लगता है कि हम लाखों लोगों से जुड़े हुए हैं, तब असल में हम अंदर से और ज्यादा अकेले हो जाते हैं। हमारी सच्ची भावनाएं, गहरे रिश्ते और एक-दूसरे को समझने की क्षमता भी धीरे-धीरे कम होने लगती है।

जीवन की असली समृद्धि अपने आसपास के लोगों को महसूस करने और उनसे दिल से जुड़ने से होती है। जीवन का वह संगीत, वह ऊर्जा, वह चेतना, जो हमें केवल जागृत होकर ही अनुभव होती है, वही जीवन को सच्चा बनाती है। यह अनुभव तभी मिलता है, जब हम सच में जागरूक होकर जीते हैं। अगर हम हर दिन, हर पल और हर व्यक्ति का ध्यान रखें, तो साधारण और उबाऊ लगने वाली जिंदगी में भी हमें सच्ची खुशी मिल सकती है।

मध्य-पूर्व संघर्ष: भारत के समक्ष केवल नीतियों की नहीं, अपितु सोच की भी परीक्षा

भारत के सामने चुनौती दोहरी है, पहली- ऊर्जा सुरक्षा और दूसरी- सामरिक संतुलन बनाए रखना। क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ रही हैं। आपूर्ति शृंखलाएं अस्थिर हैं। युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में भारत के समक्ष केवल नीतियों की नहीं, अपितु सोच की भी परीक्षा हो रही है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन हर वैश्विक संकट इसे एक नई तीव्रता से सामने ले आता है। हॉर्मुज स्ट्रेट इस पूरी कहानी का सबसे संवेदनशील बिंदु है। इसके बाधित होने का असर केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं रहा है, यह सीधे रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डालने लगा है। भारत में रसोई गैस, पेट्रोल (पावर) और इंडस्ट्री के इस्तेमाल वाले डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। यहां एक गंभीर सवाल उभरता है, क्या भारत ने पिछले दशकों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर पर्याप्त दीर्घकालिक तैयारी की है या हर संकट के समय हम अस्थायी समाधान खोजने में ही लगे रहते हैं? दरअसल, तेल की कीमतों में उछाल केवल आर्थिक आंकड़ों का खेल नहीं है। यह महंगाई, मुद्रा और विकास दर, तीनों को प्रभावित करता है। इसका असर अंततः आम नागरिक पर ही पड़ता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में वैकल्पिक ऊर्जा की दिशा में कदम जरूर बढ़ाए हैं, लेकिन अब यह सवाल अधिक प्रासंगिक हो गया है, क्या ये कदम पर्याप्त हैं?

-विनोद पाठक

विगत 26 दिन से अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध में उलझे हुए हैं। एक झटके में दुनिया बदल गई है। हम उस मोड़ पर खड़े हैं, जहां पुरानी ताकतों की पकड़ ढीली पड़ रही है। नए समीकरण बन रहे हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है।

भारत के सामने चुनौती दोहरी है, पहली- ऊर्जा सुरक्षा और दूसरी- सामरिक संतुलन बनाए रखना। क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ रही हैं। आपूर्ति शृंखलाएं अस्थिर हैं। युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में भारत के समक्ष केवल नीतियों की नहीं, अपितु सोच की भी परीक्षा हो रही है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन हर वैश्विक संकट इसे एक नई तीव्रता से सामने ले आता है। हॉर्मुज स्ट्रेट इस पूरी कहानी का सबसे संवेदनशील बिंदु है। इसके बाधित होने का असर केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं रहा है, यह सीधे रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डालने लगा है। भारत में रसोई गैस, पेट्रोल (पावर) और इंडस्ट्री के इस्तेमाल वाले डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। यहां एक गंभीर सवाल उभरता है, क्या भारत ने पिछले दशकों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर पर्याप्त दीर्घकालिक तैयारी की है या हर संकट के समय हम अस्थायी समाधान खोजने में ही लगे रहते हैं? दरअसल, तेल की कीमतों में उछाल केवल आर्थिक आंकड़ों का खेल नहीं है। यह महंगाई, मुद्रा और विकास दर, तीनों को प्रभावित करता है। इसका असर अंतत: आम नागरिक पर ही पड़ता है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में वैकल्पिक ऊर्जा की दिशा में कदम जरूर बढ़ाए हैं, लेकिन अब यह सवाल अधिक प्रासंगिक हो गया है, क्या ये कदम पर्याप्त हैं? ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताया जा रहा है। इसमें संभावनाएं भी हैं और रणनीतिक लाभ भी है, लेकिन क्या हम इसे तेजी से जमीन पर उतार पा रहे हैं?

सौर ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, लेकिन क्या यह इतना व्यापक है कि आयातित ऊर्जा पर निर्भरता को वास्तव में कम कर सके? छतों पर सोलर पैनल लगना एक अच्छी शुरुआत है, पर क्या यह एक व्यापक ऊर्जा क्रांति में बदल पाया है?

इथेनॉल मिश्रण ने नई दिशा दिखाई है, लेकिन यहां भी सवाल यही है, क्या यह प्रयास दीर्घकालिक समाधान बन पाएगा या केवल आंशिक राहत तक सीमित रहेगा? स्पष्ट है, ऊर्जा के क्षेत्र में आधे-अधूरे कदम अब पर्याप्त नहीं होंगे। यहां निर्णायक परिवर्तन की आवश्यकता है।

एक और बड़ा सवाल यह है कि युद्ध के बदलते चेहरे के चलते क्या हमारी तैयारी पर्याप्त है? रूस-यूक्रेन युद्ध, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध में हम देख चुके हैं कि युद्ध की प्रकृति बदल गई है। अब बड़े हथियारों की जगह छोटे, सस्ते और अधिक प्रभावी साधनों ने ले ली है। ड्रोन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

कम लागत में बड़े नुकसान की क्षमता ने उन्हें युद्ध का निर्णायक हथियार बना दिया है। ऐसे में एक अहम सवाल सामने आता है, क्या भारत इस क्षेत्र में पर्याप्त तेजी से आगे बढ़ रहा है?

मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आवश्यकता अब स्पष्ट है, लेकिन क्या हमारी मौजूदा व्यवस्था इतनी व्यापक है कि बड़े शहरों और रणनीतिक ठिकानों को पूरी तरह सुरक्षित कर सके? साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का क्षेत्र और भी जटिल है।

यहां लड़ाई दिखाई नहीं देती, लेकिन उसका असर गहरा होता है। क्या भारत इस अदृश्य युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है? यह साफ होता जा रहा है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति अब पर्याप्त नहीं है। युद्ध का मैदान बदल चुका है। उसके साथ रणनीति भी बदलनी होगी। पश्चिम एशिया में भारत के हित केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि मानवीय और आर्थिक भी हैं। लाखों भारतीय वहां काम करते हैं। उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत को इस स्थिति में संतुलन बनाए रखना होगा। एक ओर उसके इजरायल के साथ मजबूत संबंध हैं, दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके महत्वपूर्ण हित जुड़े हैं। यहां सवाल यह नहीं है कि भारत किसके साथ खड़ा है, बल्कि यह है कि वह अपने हितों की रक्षा किस प्रकार करता है।

क्या भारत इस संतुलन को लंबे समय तक बनाए रख पाएगा? कूटनीति अब केवल बयान देने का माध्यम नहीं रही, बल्कि रणनीतिक संतुलन साधने की कला बन चुकी है।

हर संकट अपने साथ एक अवसर भी लेकर आता है। भारत के लिए यह वही क्षण है। ऊर्जा, रक्षा और तकनीक, इन तीनों क्षेत्रों में निर्णायक बदलाव ही भारत को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए केवल नीतियां नहीं, बल्कि स्पष्ट दृष्टि और तेज क्रियान्वयन भी जरूरी है।

यह समय यह तय करेगा कि भारत परिस्थितियों के साथ बहता रहेगा या उन्हें अपने पक्ष में मोड़ने की क्षमता विकसित करेगा। सबसे बड़ा सवाल यही है, क्या हम इस बदलती दुनिया को केवल देख रहे हैं या उसके अनुरूप खुद को बदल भी रहे हैं?

सूरजमुखी की चमक

भूमि का चुनाव

सूरजमुखी की फसल हर प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है, जहां पर पानी निकास का अच्छा प्रबंध हो।

प्रमुख किस्में

सूरजमुखी की एक मात्र किस्म मार्डन बहुत लोकप्रिय है परंतु अब कई संकर किस्में भी उपलब्ध हैं जैसे बीएचएस–1, केबीएसएस–1, ज्वालामुखी, एमएसएफएच–17, सूर्या आदि।

बुवाई का समय एवं विधि

सूरजमुखी की फसल प्रकाश संवेदी है अतः इसे वर्ष में तीन वार (रबी, खरीफ एवं जायद ऋतु) में बोया जा सकता है। जायद मौसम में सूरजमुखी को फरवरी के प्रथम सप्ताह से फरवरी के मध्य तक बोना सबसे उपयुक्त होता है, जायद मौसम में कतार से कतार दूरी 45 सेमी व पौध से पौध दूरी 25–30 सेमी की दूरी पर बुवाई करें।

खाद एवं उर्वरक

बुवाई से पूर्व 7–8 टन प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी हुई गोबर खाद भूमि में खेत की तैयारी के समय खेत में मिलायें व अच्छी उपज के लिए सिंचित अवस्था में यूरिया 130 से 160 किग्रा, एसएसपी 375 किग्रा व पोटाश 66 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नाइट्रोजन की 2/3 मात्रा व स्फुर एवं पोटाश की समस्त मात्रा बोते समय प्रयोग करें एवं नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को बुवाई के 30–35 दिन बाद पहली सिंचाई के समय खड़ी फसल में देना लाभप्रद पाया गया है।

सिंचाई

जायद में बोयी गई (फरवरी माह में) सूरजमुखी की फसल में 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली सिंचाई बुवाई के 30–35 दिन बाद करें व इसी अवस्था में नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा का उपयोग करें द्वितीय सिंचाई 20–25 दिन बाद फूल आने की अवस्था में करें एवं अंतिम सिंचाई बीज बनने की अवस्था में करें।

कीट नियंत्रण

प्रायः सूरजमुखी की फसल पर एफिड्स, जैसिड्स, हरे रंग की सुंडी व हेड बोरर का प्रकोप अधिक होता है। रस चूसक कीट, एफिड्स, जैसिड की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व सुंडी व हेड बोरर के नियंत्रण के लिए क्विनालाफॉस 20 प्रतिशत 1 लीटर दवा को या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर दवा को 600–700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

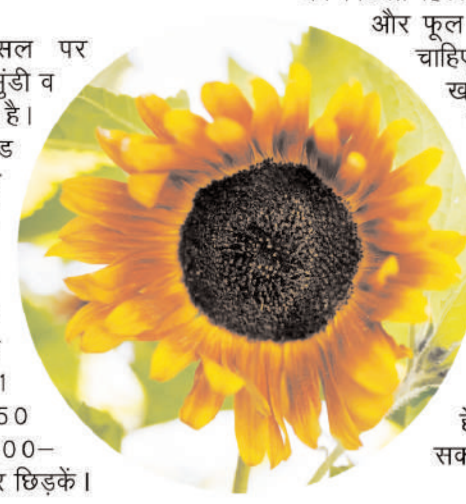

फसल सुरक्षा

सूरजमुखी में बहुधा तोते सर्वाधिक नुकसान पहुंचाते हैं। तोते प्रायः दाने पड़ने की अवस्था से लेकर दाने पकने की अवस्था तक (एक माह) अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

कटाई एवं गहाई

फसल की कटाई उस समय करें जब कि फूल का पिछला हिस्सा नींबू जैसा पीला रंग का हो जाये और फूल झड़ जाये तो फसल तैयार समझना चाहिए। इस स्थिति में फूल को काटकर खलिहान में लायें व 3–4 दिन खलिहान में सूखने के बाद डंडों से पीटकर बीज निकालें।

उपज

सूरजमुखी की फसल 90–105 दिन में पककर तैयार हो जाती है व उन्नत विधि से उत्पादन करने पर 18–20 क्विंटल/हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

रोग नियंत्रण

सूरजमुखी की फसल में मुख्यतः रतुआ, डाऊनी मिल्ड्यू, हेड राट, राइजोपस हेड राट जैसी समस्याएं आती हैं। पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

कम लागत में मूंग

खेत की तैयारी

रबी की कटाई के बाद दो-तीन बार हल चलाकर मिट्टी को भुरभुरा व नींदा रहित करें। पाटा लगाकर खेत को समतल करें।

उन्नत बीज का चुनाव, मात्रा व उपचार

शुद्ध, प्रमाणित, रोग मुक्त बीज का चलन करें। भंडारित बीज को साफ करके, अंकुरण परीक्षण करने के बाद बोने हेतु उपयोग में लायें। बोनी हेतु के. 851, पीडीएम 139, पूसा बैसाखी, पूसा विशाल, जवाहर मूंग 131 में से किसी भी एक किस्म का 12-15 किग्रा, बीज प्रति हेक्टर के मान से उपयोग करें। ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी का उपयुक्त समय मार्च से अप्रैल का प्रथम सप्ताह है। कतार से कतार से बीज की दूरी 10 सेमी रखें साथ ही बीज को 3-4 सेमी की गहराई पर लगाएं। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति किग्रा बीज दर से उपचार करें ताकि बीज जनित रोगों से छुटकारा मिल सके।

खाद व उर्वरक

मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करें। यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व म्यूरेट ऑफ पोटाश की 43:375:33 किग्रा प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करें। 40 किग्रा डीएपी के साथ 10 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति एकड़ का उपयोग भी किया जा सकता है। बुवाई से पहले फफूंदनाशक से उपचारित बीज को राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से निवेशित करें चाहिए। इस हेतु 5 ग्राम कल्चर प्रति किग्रा बीज के मान से उपयोग किया जा सकता है।

सिंचाई

गर्मियों में फसल होने के कारण फसल को 5-6 सिंचाईयों की आवश्यकता पड़ती है। क्रांतिक अवस्था जैसे शाखा बनते समय, फलियां बनते समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करना आवश्यक होगी।

पौध संरक्षण

मूंग की फसल में कई बार पत्तियों पर भूरे रंग के धब्बे बनते हैं जो फैलकर पूरे पौधे को झुलसा देती है। साथ ही भभूतिया रोग का प्रकोप होता है। इस रोग में पत्तियों पर सफेद चूर्ण जमा हुआ दिखता है। दोनों ही रोगों के नियंत्रण के लिए कार्बेन्डाजिम की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मूंग की फसल पर फली बीटल, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, फली छेदक कीटों का प्रकोप होता है। इनके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 400 मिली 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के मान से छिड़काव करें।

उपज

मूंग की फलियां गुच्छों में लगती है तथा अधिकांश प्रजातियों में फल्लियां एक साथ नहीं पकती अतः 2-3 बार तोड़ाई पर पूरी फसल की फलियां तोड़ ली जाती हैं। मूंग के दानों को बैल चलाकर या डंडे से पीटकर अलग किया जाता है। भूसे से मूंग के दानों को हवा द्वारा अलग करके अच्छी तरह साफ कर सुखाने के बाद ही भंडारण करते हैं। उन्नत शस्य क्रियाएं व पौध संरक्षण अपनाने पर 7-8 क्विंटल मूंग प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा एक एकड़ क्षेत्र में 4000-5000 रुपये लागत आने पर 15000 रुपये की आय होती है।

गर्मियों की तिल

भूमि

दोमट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5–6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी–22, टीकेजी–55, जेटीएस–8, टीकेजी–306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3–4 सप्ताह बाद डालें।

निराई-गुड़ाई

बोने के 15–20 दिन बाद निराई–गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।

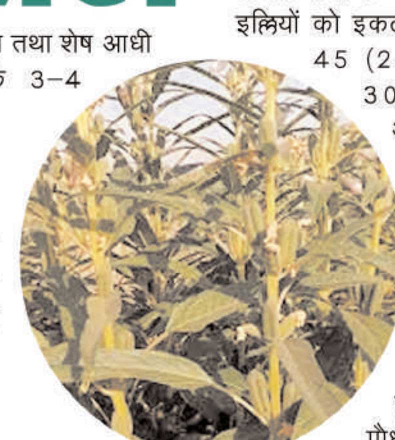

सिंचाई

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई–जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा सिंचाई सुबह–शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल को पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फल्ली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्विनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता हैं जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकटठा कर नष्ट करें। डायथेन एम–45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज

700–800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

रामनवमी शोभा यात्रा के लिये कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त

सतना। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर्व के अवसर पर सतना नगर में शोभा यात्रा का आयोजन 27 मार्च को किया जा रहा है। शोभा यात्रा में बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना के दृष्टिगत रखते हुये कानून और प्रशासनिक व्यवस्था बनाये रखने नगर में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट सतना विकास सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार उपखंड मजिस्ट्रेट रघुराजनगर (शहरी) राहुल सिलाडिया, प्रभारी तहसीलदार सौरभ मिश्रा को झांकी के साथ अगले हिस्से के संपूर्ण रुट के लिये कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार उपखंड मजिस्ट्रेट रघुराजनगर (ग्रामीण) लक्ष्यराम जांगडे तथा राजस्व निरीक्षक योगेश तिवारी को झांकी के साथ पिछले हिस्से के सम्पूर्ण रूट के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार गुरुद्वारा सिटी कोतवाली, जयस्तंभ चौक, पन्नीलाल चौक तक के लिये नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी तथा राजस्व निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह, पुराना पावर हाउस, हनुमान चौक, फूलचन्द्र चौक के लिये प्रभारी नायब तहसीलदार राजेश सिंह एवं राजस्व निरीक्षक अभिषेक धुर्वे तथा लालता चौक, गांधी चौक, सुभाष चौक तक के रुट के लिये सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्नालाल तिवारी एवं राजस्व निरीक्षक तोतालाल बंसल को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के रुप में तैनात किया गया है। सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट 27 मार्च को दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम समापन तक सौंपे गये कार्य दायित्व का निर्वहन करेंगे। संपूर्ण व्यवस्था के लिये अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट सतना विकास सिंह (मो.नं. 7354649641) को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम आयोजित

सतना। विकासखंड मझगवां ग्राम रिमारी के गऊ घाट धाम अश्रावल नदी के तट पर स्थित दुर्गा माता मंदिर में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखंड मझगवां सेक्टर 04 की नवांकुर संस्था जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध संस्थान बांका द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल शक्ति से नवभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में देव स्थल प्रांगण की साफ सफाई, कन्या पूजन, नदी पूजन, जन जागरूकता संवाद बैठक एवं भजन गायन के कार्यक्रम आयोजित किए गए । कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद संभाग रीवा के समन्वयक डॉ प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक डॉ राजेश तिवारी, विकासखंड मझगवां के विकासखंड समन्वयक विजयेंद्र जड़िया, विकासखंड रामपुर की विकासखंड समन्वयक ममता सिंह सहित जनपद पंचायत की सदस्य श्रीमती सोना सिंह एवं शिक्षक माननीय राघवेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्राम की विशिष्ट जन शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन सेक्टर प्रभारी राजेश त्रिपाठी एवं आभार प्रदर्शन परामर्शदाता अनुराग त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से की जिलों के कार्यों की समीक्षा

सतना। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा गुरुवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित कर जिलों के कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कानून व्यवस्था, सुशासन एवं संकल्प से समाधान, कृषि एवं संबंधित क्षेत्र, गेहूं उपार्जन तथा एलपीजी की उपलब्धता और वितरण, पेयजल की उपलब्धता वितरण तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन और पीएम आवास, डाग वाइट तथा अग्नि दुर्घटना से बचाव सहित एजेण्डा में शामिल सभी विषयों पर चर्चा कर जानकारी ली। संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन सतना के एनआईसी कक्ष में पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार मैहर के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित विभागीय अधिकारी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर प्राकट्य पर्व आज चित्रकूट में

सतना। भगवान श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुति प्रचलित हैं, जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा अनुरूप धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन सतना के सहयोग से 27 मार्च 2026 को सायं 7 बजे से भरत घाट चित्रकूट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सांस्कृतिक स्वरूपों में श्रीराम की महिमा देखने को मिलेगी।

संचालक संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि श्रीराम नवमीं के पावन अवसर पर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। चित्रकूट में होने वाले कार्यक्रम में सर्वप्रथम बघेली लोक गायन की प्रस्तुति सुश्री स्नेहा मिश्रा मऊगंज द्वारा दी जाएगी। इसके बाद श्रीराम केन्द्रित नृत्य नाटिका सुश्री तरुणा सिंह ग्वालियर के निर्देशन में होगी। वहीं सुविख्यात भजन गायक शर्मा बंधु उज्जैन द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

270 प्रकरणों में अत्याचार पीड़ितों को 1 करोड 54 लाख रूपये से अधिक की सहायता स्वीकृत

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक संपन्न

सतना। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) में 270 प्रकरणों में अब तक 1 करोड 54 लाख 42 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत की गई है। इस आशय की जानकारी अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी विकास सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में दी गई। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल, जिला संयोजक डॉ. अरूण शुक्ला, समिति के सदस्य मुरानी सोनी, अभिनव त्रिपाठी, रामकलेश साकेत, कुलदीप सिंह, सहायक उप निरीक्षक मकरध्वज पाण्डेय, एडीपीओ हुकुमचन्द्र निरंजन, बृजेश अहिरवार उपस्थित थे। जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में बताया गया कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक जिले में अत्याचार पीड़ितों के 270 प्रकरणों में अब तक 1 करोड 54 लाख 42 हजार रूपये की आर्थिक सहायता हितग्राहियों को स्वीकृत की गई है। जिसमें अनुसूचित जाति के 270 कुल पीडितों में 115 पीड़ितों को 91 लाख 42 हजार 500 रूपये और अनुसूचित जनजाति के 93 कुल पीडितों में से 22 पीडितों 16 लाख 25 हजार रूपये की राशि का भुगतान किया गया है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति के 155 प्रकरण में 1 करोड 54 लाख 42 हजार रूपये एवं अनुसूचित जनजाति के 71 प्रकरण में 60 लाख 75 हजार रूपये का भुगतान आवंटन के अभाव में लंबित है। बैठक में बताया गया कि अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत जनवरी 2025 से मार्च 2026 की स्थिति में अनुसूचित जाति वर्ग के 195 एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की 44 शिकायतें प्राप्त हुई है। जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के 71 मामले और अनुसूचित जनजाति के 9 मामले लंबित है। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों के डिस्पोजल में अधिक प्रयास करने की जरुरत है। प्रकरणों का तीव्र गति एवं व्यक्तिगत रुचि लेकर निराकरण करने का प्रयास करें। अपर कलेक्टर ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के स्वीकृत प्रकरणों में लंबित भुगतान के लिए बजट आवंटन हेतु शासन को प्रस्ताव भेजें।

सतना-मैहर में दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क शिविर होंगे आयोजित

सतना। सतना एवं मैहर जिले में नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद हितग्राहियों को आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनके जीवन को अधिक सुगम और आत्मनिर्भर बनाया जा सके। शिविरों में जयपुर फुट (कृत्रिम पैर), कृत्रिम हाथ, कैलिपर, बैसाखियां, वॉकर, रोलेटर, चलने की छड़ी, ट्राइपॉड, क्वाड्रिपॉड, व्हीलचेयर, सफेद छड़ी एवं श्रवण यंत्र नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। सतना जिले के लिए जारी शिविर के कार्यक्रम अनुसार 2 अप्रैल को नगर पालिक निगम सतना के सभी वार्डो के दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों के लिए कम्युनिटी हॉल बिरला मार्केट सतना में शिविर आयोजित होगा। इसी प्रकार 3 अप्रैल को जनपद पंचायत एवं नगर परिषद उचेहरा तथा नागौद, 4 अप्रैल को जनपद पंचायत मझगवां, नगर परिषद जैतवारा, बिरसिंहपुर, चित्रकूट, 5 अप्रैल को जनपद पंचायत रामपुर बघेलान, नगर परिषद कोटर तथा 6 अप्रैल को जनपद पंचायत सोहावल तथा नगर परिषद कोठी के दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों के लिए कम्युनिटी हॉल बिरला मार्केट सतना में शिविर आयोजित होगा।

इसी प्रकार मैहर जिले में 8 अप्रैल को जनपद पंचायत मैहर, 9 अप्रैल को जनपद पंचायत अमरपाटन, 10 अप्रैल को रामनगर तथा 11 अप्रैल को नगर पालिका मैहर, नगर परिषद अमरपाटन एवं न्यू रामनगर के सभी वार्डों के दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए सूचना पर्यटक केंद्र बस स्टैंड के पीछे मैहर में शिविर आयोजित होगा।

बालिका अंडर-15 क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 27 एवं 28 मार्च को

मैहर। वर्ष 2026-27 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने वाली मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम के चयन हेतु मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रदेश के सभी क्रिकेट संभागों में बालिका क्रिकेट खिलाड़ी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रंखला में दिनांक 26 एवं 27 मार्च 2026 को रीवा संभाग हेतु ट्रायल आयोजित होगा। उक्त जानकारी देते हुये डीसीए के सचिव अमित मिश्रा द्वारा बताया गया कि चूंकि अंडर-15 आयु वर्ग हेतु खिलाड़ियों का चयन किया जाना है, अत: इस ट्रायल में रीवा संभाग में निवासरत ऐसी बालिका क्रिकेट खिलाड़ी भाग लेने की पात्र होगी जिनका जन्म 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2014 के बीच हुआ हो। यह ट्रायल रीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम में 27 मार्च को सुबह 9 बजे से मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा भेजे गये प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन एवं निरीक्षण में आयोजित होगा।

मानवाधिकार सुरक्षा संगठन ने चैत्र नवरात्रि पर श्रद्धालुओं को बांटे फल और बिस्कुट

मैहर। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर जहाँ पूरा देश भक्ति के रंग में डूबा हुआ है, वहीं मैहर में मानवता की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। मानवाधिकार सुरक्षा संगठन-भारत (महिला) जिला इकाई मैहर की टीम द्वारा माँ शारदा देवी मंदिर परिसर में सेवा कार्य किया गया।

दूर-दराज से माँ के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं की थकान मिटाने और उन्हें राहत पहुँचाने के उद्देश्य से टीम ने फल एवं बिस्कुट का वितरण किया। मंदिर परिसर में उमड़ी भक्तों की भीड़ के बीच संगठन की महिलाओं ने पूरी आत्मीयता के साथ प्रसाद स्वरूप इन खाद्य सामग्रियों को वितरित किया। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में मानवाधिकार टीम की शोभा मिश्रा, मनोरमा शर्मा, दीपिका शर्मा, संगीता दुबे, पूर्णिमा पाण्डेय, आरती दुबे, निधि तिवारी, सरला दुबे, अभिलाषा चौरसिया और किरण पाण्डेय सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

हत्या के प्रयास के गंभीर मामले मे त्वरित कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को भेजा गया जेल

जमीनी विवाद एवं पुरानी रंजिश के चलते कुल्हाड़ी, डण्डो से किया गया था हमला

पन्ना। पन्ना पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना सुनवानी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खलौन में घटित हत्या के प्रयास के गंभीर मामले का त्वरित एवं सफल खुलासा करते हुए 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

फरियादी भागीरथ पटेल निवासी ग्राम खलौन, थाना सुनवानी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसी दिन प्रात: लगभग 07:30 बजे ग्राम खलौन के प्रीतम पटेल, छन्नु पटेल, हक्कू पटेल एवं मम्मु पटेल ने जमीनी विवाद एवं पुरानी रंजिश के चलते उसके समधी हन्नु पटेल पिता प्यारेलाल पटेल (उम्र 68 वर्ष, निवासी गढ़ीकरहिया) पर हत्या करने की नीयत से कुल्हाड़ी एवं डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों द्वारा सिर पर जोरदार प्रहार किए जाने से हन्नु पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए एवं बीच-बचाव करने पहुंचे फरियादी भागीरथ पटेल को भी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मारने दौड़े। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीणों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सुनवानी में अपराध क्रमांक 13/2026 धारा 109(1), 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया, साक्ष्य संकलित किए गए एवं आसपास के ग्रामीणों से गहन पूछताछ की गई। साथ ही क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपियों की तलाश हेतु संभावित स्थानो मे लगातार दबिश दी गई। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं स्थानीय सूचना तंत्र का प्रभावी उपयोग करते हुए आरोपियों की विश्वसनीय मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी प्रीतम पटेल, छन्नु पटेल एवं मम्मु पटेल भड़ा हार क्षेत्र में छिपे हुए हैं।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी सुनवानी निरी. हरवचन कुड़ापे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसके पश्चात उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एवं डंडे जप्त किए गए हैं। प्रकरण में एक अन्य आरोपी हक्कू पटेल घटना दिनांक से फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास जारी हैं। आरोपियों में प्रीतम पटेल पिता मिहीलाल पटेल, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम खलौन, मम्मु उर्फ रुपलाल पटेल पिता मिहीलाल पटेल, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम खलौन , छन्नू पटेल पिता मिहीलाल पटेल, उम्र 60 वर्ष, निवासी ग्राम खलौन के नाम शामिल रहे। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुनवानी निरी. हरवचन सिंह कुडापे , सउनि प्रेमलाल शर्मा, प्र.आर. सेवकलाल प्रजापति, अजेश बेदी, रामकुमार रजक, लखन पटेल, आर. भरतमिलाप एवं महिला आर. किरण का सराहनीय योगदान रहा।

जनपद सीईओ शाहनगर भगवान सिंह राजपूत को कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्यो के लिये किया सम्मानित

पन्ना। शाहनगर पन्ना कलेक्टर श्री मति उषा परमार ने जिला पंचायत सभागार पन्ना में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान जनपद शाहनगर मे पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी भगवान सिंह राजपूत को उनके द्वारा कराये गयें शासकीय कार्यों के सम्मानित किया गया इस अवसर पर पन्ना सीईओ जिला पंचायत ऊमरॉव सिह मरावी प्रभारी परियोजना अधिकारी मनरेगा पन्ना सहित समस्त स्टाप मौजूद रहा ।

गोपियों का प्रेम सांसारिक नही, शुद्ध आध्यात्मिक था: भरत महाराज

पन्ना। पन्ना श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस में चित्रकूट से पधारे भरत जी महाराज ने भगवान कृष्ण के सुंदर चरित्रों का वर्णन किया उन्होंने बताया कंस अहंकार का प्रतीक है और भगवान कृष्ण जैसे ही वहां पहुंचे उन्होंने अहंकार को समाप्त कर दिया। बेगि सो मै डारिहउं उपारी। उद्धव गोपी संवाद सुनाते हुए उन्होंने कहा कि गोपियों का प्रेम सांसारिक नही, शुद्ध आध्यात्मिक था,जीवन के समस्त रिश्तों को उन्होंने भगवान के चरणों मे समर्पित कर दिया था।

व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भक्त जिस भाव से भगवान को भजता है भगवान उसको उसी तरह प्राप्त हो जाते हैं। रुक्मणी विवाह की पावन कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि रुक्मिणी अर्थात लक्ष्मी चतुर्भुज को ही प्राप्त होती है अर्थात जो उद्यमशील होगा उसी को लक्ष्मी प्राप्त होगी। भगवान कृष्ण ने रुक्मिणी के आवाहन पर उनके स्वयंवर के पूर्व ही पहुंचकर के रुक्मिणी का परिस्थिति के अनुसार हरण किया क्योंकि यह कृष्ण का सिद्धांत है जिस समय जिस कर्म की आवश्यकता है उसी को किया जाना चाहिए। शठे शाठ्यं समाचरेत का प्रतिपादन करते हुए उन्होंने कहा की द्वारकाधीश कृष्ण इसी के पोषक हैं इसीलिए कृष्ण की राजनीति विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। रावत परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने के लिए जुगल किशोर जी के प्रांगण में पन्ना शहर एवं पूर्ण क्षेत्र से भारी संख्या मे श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं।

अखिल भारतीय पंचायत परिषद ने राम शिरोमणि सिंह लोधी पर जताया भरोसा, सौंपी प्रदेश मंत्री की कमान

सरपंच से सीधे प्रदेश मंत्री का सफर, बधाइयों का लगा तांता

पन्ना। पन्ना अखिल भारतीय पंचायत परिषद नई दिल्ली के तत्वाधान में मध्य प्रदेश राज्य पंचायत परिषद की स्थाई समिति का विस्तार किया गया है। इसमें पन्ना जिले की ग्राम पंचायत दिया के ऊर्जावान सरपंच राम शिरोमणि सिंह लोधी को उनकी कार्यकुशलता और जमीनी पकड़ को देखते हुए प्रदेश मंत्री के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। दिया सरपंच की प्रतिभा को मिला बड़ा सम्मान, अब प्रदेश स्तर पर उठाएंगे पंचायतों की आवाज। इस नियुक्ति की खबर मिलते ही जिले भर में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोधी समाज के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों ने इसे उनकी प्रतिभा का उचित सम्मान बताया है। जानकारों का मानना है कि इस नई जिम्मेदारी से न केवल पन्ना जिले बल्कि पूरे प्रदेश के पंचायत राज सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। सोशल मीडिया से लेकर व्यक्तिगत स्तर तक उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

रेलवे विभाग द्वारा खोदे गए तालाब में दो सगी बहनों की डूबने से मौत

पन्ना। पन्ना कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम सुनहरा में उसे समय मातम का माहौल कायम हो गया जब दो सगी बहनें तालाब में डूबने से उनकी मौत हो गई जानकारी के अनुसार रेलवे विभाग द्वारा मिट्टी निकालने के लिए गहरा तालाब सुनहरा ग्राम में खोदा गया था। उक्त तालाब गहरा था दो सगी बहनें अमानगंज थाना अंतर्गत ग्राम रामपुर से अपनी नानी के घर आई हुई थी अचानक तालाब में गिर गई तथा डूबने से उनकी मौत हो गई जिनकी पहचान 8 वर्षीय रागिनी तथा 6 वर्षीय आशिकी के रूप में हुई है घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों द्वारा तत्काल तालाब से निकालकर जिला चिकित्सालय लाया गया।

दक्षिण पन्ना वनमंडल में सातवां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

पिछले 6 महीनों में 7 शिविरों से लगभग आठ सो वनकर्मी, समिति सदस्य एवं ग्रामीण हुए लाभान्वित

पन्ना। पन्ना जेके सीमेंट के पर्यावरण विभाग द्वारा दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा परिक्षेत्र में सातवां नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शिविर में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, उनके परिजन, वन समिति सदस्य, स्थानीय ग्रामीण तथा मीडियाकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यह स्वास्थ्य शिविर यूनिट हेड कपिल अग्रवाल एवं एचआर हेड अवनीश गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं, जिसमें डॉ. रामजी तिवारी तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सना अंसारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। चिकित्सकीय एवं तकनीकी सहयोग हेतु गिरधारी गोदारा, रामकुमार, पंकज तिवारी, निवेदिता श्रीवास, दीपेंद्र तिवारी एवं मोनू बाल्मीकि पूरे समय उपस्थित रहे। शिविर में जांच के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरण एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं।

इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 137 ओपीडी मरीजों की जांच की गई, जिनमें 15 लोगों के रक्त परीक्षण तथा 2 लोगों के ईसीजी परीक्षण भी किए गए। सभी लाभार्थियों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ नि:शुल्क दवाइयाँ प्रदान की गईं। इस पहल से वनकर्मियों के परिवारों, वन समिति सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। जेके सीमेंट की ओर से डॉ. अरित्रा बनर्जी (सीएमओ) एवं डॉ. सौरभ यादव (हेड एनवायरनमेंट) अपनी सहायक टीम सुदामा गुप्ता के साथ उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से परिक्षेत्र अधिकारी विवेक कुमार जैन एवं स्थानीय वन अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम का सफल समन्वय किया गया।

कृष्णगढ़ में भगवान निषादराज महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई

पवई। पवई बीते दिवस ग्राम कृष्णगढ़ जिला पन्ना में माझी,निषाद, रैकवार, बर्मन, केवट, मल्लाह के आराध्य देव भगवान गुहराज निषाद महाराज जयंती समारोह बड़े ही भव्य रूप में माझी समुदाय लोगो ने मनाई गई है जिस में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। शोभा यात्रा मरही प्रांगण से शारदा माता प्रांगण होते हुए बस स्टैंड , मरही माता में समापन हुआ मुख्य अतिथि मोहनी आनंद मिश्रा जनपद पंचायत पवई रही कार्यक्रम में डॉ संजू रैकवार अध्यक्ष दशरथ रैकवार उपाध्यक्ष नीरज रैकवार कोषाध्यक्ष निर्णायक कमेटी उत्तम रैकवार मुन्नी रैकवार सुखलाल जगमोहन अंजू सुनील रैकवार सरपंच राजेंद्र रैकवार गोविंद (बच्चा) रैकवार हरिओम राजेश रैकवार और आस पास के 15 से 20 गांवों से आए हुए सभी रैकवार, बर्मन समाज द्वारा किया गया।

एक दिन का गाना ख्वाब देखूं हुआ रिलीज

दिखी जुनैद-साई की केमिस्ट्री

एक दिन का गाना ख्वाब देखूं कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इस गाने का संगीत राम संपथ ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। इस गाने को अरिजीत सिंह ने गाया है, जो फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

आज जुनैद खान और साई पलल्वी की फिल्म एक दिन का गाना ख्वाब देखूं रिलीज हो चुका है। इस रोमांटिक गाने को साई और जुनैद पर फिल्माया गया है। यह एक रोमांटिक गाना है। इस गाने को अरिजीत के साथ पार्श्वगायक तरन्नुम मलिक जैन ने गाया है। दिलचस्प बात यह है कि ख्वाब देखूं गाने का कुछ हिस्सा कुछ हफ्ते पहले रिलीज हुए एक दिन के ट्रेलर में भी दिखाया जा चुका है। इस गाने को अरिजीत के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

एक दिन एक रोमांटिक फिल्म है। इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में कुणाल कपूर और केविन दवे सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। आमिर खान की इस फिल्म की शूटिंग ज्यादातर जापान में हुई है। इस फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। इसकी पटकथा स्नेहा देसाई और स्पंदन मिश्रा ने मिलकर लिखी है। वहीं, मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित इसके निर्माता हैं। एक दिन 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अवॉर्ड शो में फिर मिले शिल्पा-अक्षय, सोशल मीडिया पर हुई कमेंट्स की बाढ़

अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी दोनों का जादू 90 के दशक में खूब चला। इनकी न सिर्फ ऑन स्क्रीन जोड़ी हिट रही, बल्कि इनकी डेटिंग की अफवाहें भी खूब रहीं। हालांकि, बाद में दोनों के रास्ते अलग-अलग हो गए। फिलहाल, शिल्पा और अक्षय अपनी-अपनी पर्सनल लाइफ में आगे बढ़ चुके हैं। इस बीच हाल ही में इन्हें एक अवॉर्ड शो में साथ देखा गया। इनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये काफी मजेदार अंदाज में बात करती दिख रही हैं। शिल्पा शेट्टी और अक्षय कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें शिल्पा शेट्टी बोल्ड ड्रेस पहनी अवॉर्ड शो में पहुंची हैं। वहीं, उनके बराबर में अक्षय कुमार बैठे हैं। इस दौरान दोनों एक-दूसरे से बात करते हुए काफी हंसी-मजाक कर रहे हैं। इस वीडियो को देख नेटिजंस नॉस्टैल्जिक हो रहे हैं। उन्हें 90 के दशक का पुराना वक्त याद आ रहा है। अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी को एक बार फिर इस तरह साथ देख उनके फैंस काफी खुश हैं। साथ ही वे कामना कर रहे हैं कि दोनों एक बार फिर किसी फिल्म में साथ नजर आ जाएं। हालांकि, फिलहाल ऐसी कोई संभावना फिलहाल तो नहीं दिख रही है।

बाहुबली सहित इन फिल्मों का तोड़ा रिकॉर्ड

सात दिनों में हजार करोड़ी बनी धुरंधर 2

रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर द रिवेंज रिलीज के बाद से बॉक्स ऑफिस पर गदर काट रही है। 19 मार्च 2026 को रिलीज हुई इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर तो कमाई के तमाम रिकॉर्ड ध्वस्त कर ही दिए हैं, साथ ही विदेशों में भी जमकर कमाई कर रही है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 1000 करोड़ी हो गई है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म धुरंधर 2 का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रॉस कलेक्शन 745.23 करोड़ रुपये हो चुका है। वहीं, नेट कलेक्शन 623.97 करोड़ रुपये हो चुका है। धुरंधर द रिवेंज ने ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर सातवें दिन 11.92 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। यह फिल्म ओवरसीज 261.92 करोड़ रुपये ग्रॉस कलेक्शन जुटा चुकी है। वहीं, फिल्म का टोटल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,007.15 करोड़ रुपये हो चुका है। धुरंधर 2 1000 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है।

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 ने सबसे तेज 1000 करोड़ रुपये जुटाने के मामले में अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 की बराबरी कर ली है। दोनों फिल्मों ने यह आंकड़ा 7 दिनों में पार किया। हालांकि, 7 दिनों की कुल कमाई के मामले में पुष्पा 2 आगे है। इसने सात दिनों में 1011.65 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, धुरंधर 2 ने सबसे तेज हजार करोड़ी बनने में बाहुबली 2, आरआरआर और दंगल जैसी फिल्मों को पीछे कर दिया है। दंगल ने हजार क्लब में एंट्री 154 दिनों में ली थी। यहां यह स्पष्ट कर दें कि यह फिल्म भारत में जहां 2016 में रिलीज हुई, वहीं चीन में 2017 रिलीज हुई, जहां से इसने सबसे ज्यादा कमाई की।

'मैंने सिर्फ प्रशंसा ही सुनी हैं', आमिर खान ने 'धुरंधर 2' की टीम को दी शुभकामनाएं, लेकिन अभी तक नहीं देखी फिल्म

आदित्य धर की 'धुरंधरः द रिवेंज' न सिर्फ सिनेमाघरों में बनी हुई है, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसे भी छाप रही है। फिल्म को क्रिटिक्स से जरूर इस बार मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं फिल्म पर प्रोपेगेंडा होने के आरोप भी लग रहे हैं। लेकिन इस बीच सेलेब्स लगातार रणवीर सिंह की इस फिल्म की प्रशंसा कर रहे हैं। अब इसी लिस्ट में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान का भी नाम शामिल हो गया है। सफलता के लिए आमिर ने फिल्म की टीम को शुभकामनाएं भेजी हैं। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफडी) 2026 के दूसरे दिन पहुंचे आमिर खान ने 'धुरंधर 2' को लेकर कहा कि फिल्म के प्रदर्शन और सफलता के बारे में केवल प्रशंसा ही सुनी है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने अभी तक फिल्म नहीं देखी है। लेकिन मैंने फिल्म की केवल प्रशंसा ही सुनी है। धुरंधर 1 और अब धुरंधर 2, दोनों फिल्मों ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। मैं टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।' इस दौरान आमिर ने फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही अपनी फिल्म सीतारे जमीन पर के बारे में भी बात की।

'मातृभूमि' के बाद अब मेगा एक्शन अवतार में दिखेंगे सलमान, अगली फिल्म की तैयारी शुरू, अप्रैल से शुरू होगी शूटिंग

सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज फिलहाल टल गई है। फिलहाल, टीम ने रिलीज की तारीख तय नहीं की है। लेकिन फिल्म के टॉपिक को देखते हुए इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं।

लेकिन इन सब के बीच उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अब अपनी अगली बड़ी फिल्म की तैयारी में जुटने वाले हैं।

बॉलीवुड हंगामा और मिड डे की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान अप्रैल 2026 से निर्माता दिल राजू और डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली के साथ अपनी नई एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। यह फिल्म एक बड़े बजट की कमर्शियल एंटरटेनर बताई जा रही है, जिसमें एक्शन के साथ इमोशन का भी तड़का देखने को मिलेगा।

खास बात यह है कि मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 पर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं, जिससे सलमान खान एक बार फिर अपने फेवरेट फेस्टिव सीजन में बड़े पर्दे पर वापसी कर सकें। फिलहाल फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम तेजी से चल रहा है और शूटिंग अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। यह फिल्म भारत की अलग-अलग लोकेशंस पर शूट की जा सकती है और इसमें बड़े लेवल पर वीएफएक्स का भी इस्तेमाल होगा। बताया जा रहा है कि सलमान खान इस फिल्म में एक नए अंदाज में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट है।

अब घर बैठे देख सकेंगे रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3'

रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' अगर आपने सिनेमाघरों में नहीं देखी, तो अब आप इसे घर बैठे देख सकते हैं। क्योंकि सिनेमाघरों के बाद अब फिल्म 'मर्दानी 3' ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। मेकर्स ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट और प्लेटफॉर्म दोनों की घोषणा कर दी है। जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मर्दानी 3' में रानी मुखर्जी अपने पुराने शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका में वापस आई हैं। अब फिल्म ओटीटी पर रिलीज को तैयार है। 'मर्दानी 3' शुक्रवार 27 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। खुद नेटफ्लिक्स की ओर से एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी साझा की गई है। फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, 'अपराधियों के बुरे दिन शुरू। शेरनी आ रही है शिकार करने। 27 मार्च को नेटफ्लिक्स पर मर्दानी 3 देखें।'

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' रानी मुखर्जी की 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इससे पहले इस फ्रेंचाइज की दो फिल्में 'मर्दानी' और 'मर्दानी 2' रिलीज हो चुकी हैं। इस तीसरी फिल्म में भी रानी मुखर्जी अपने पुराने शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस लौटी हैं।

जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। फिल्म में रानी मुखर्जी के अलावा जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। फिल्म में पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय तीन महीनों के भीतर रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुई 93 लड़कियों के मामले की जांच करती हैं। रानी मुखर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो 'मर्दानी 3' के बाद अब अभिनेत्री के शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने की संभावना है।

ई-टेंडर से रिकॉर्ड राजस्व, इटारसी में ठेकेदारी का केंद्रीकरण: सिंडिकेट के चलते खत्म होगी सस्ती अवैध शराब की उपलब्धता

बी एल श्रीवास्तव नर्मदापुरम।

मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के तहत वर्ष 2026-27 के लिए मदिरा दुकानों के ई-टेंडर से जहां सरकार को 395 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड राजस्व मिला है, वहीं इटारसी में ठेकेदारी व्यवस्था में बड़ा बदलाव सामने आया है। शहर में अब शराब कारोबार सीमित ठेकेदारों के हाथों में सिमट गया है, जिससे अवैध और सस्ती शराब की पुरानी व्यवस्था पर रोक लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

नई आबकारी नीति के तहत नर्मदापुरम जिले की 62 कम्पोजिट मदिरा दुकानों को 14 समूहों में विभाजित कर ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के माध्यम से निष्पादित किया गया। वर्ष 2025-26 में 313.98 करोड़ रुपये के मुकाबले इस बार 376.78 करोड़ रुपये का आरक्षित मूल्य तय किया गया था, जबकि अंतिम बोली 395.59 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। जिला प्रशासन का मानना है कि इस अतिरिक्त राजस्व से विकास कार्यों को गति मिलेगी।

इटारसी में इस बार शराब दुकानों का संचालन सीमित ठेकेदारों के हाथों में केंद्रित हो गया है। शहर की अधिकांश दुकानों पर एक प्रमुख ठेकेदार का नियंत्रण है, जबकि शेष पर भी कुछ ही खिलाड़ी सक्रिय हैं, जिससे बाजार की प्रतिस्पर्धात्मक संरचना में बदलाव आया है। इटारसी सर्कल की लगभग 20 दुकानों का समूह करीब 110 करोड़ रुपये के करीब में गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार इतनी बड़ी राशि की वसूली और मुनाफे के लिए ठेकेदारों के बीच सिंडिकेट बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी वजह से बाजार में समन्वित संचालन की स्थिति बन सकती है। इस केंद्रीकरण का एक बड़ा असर यह माना जा रहा है कि सस्ती और अवैध शराब की उपलब्धता पर प्रभावी रोक लगेगी। पहले जहां अलग-अलग स्तर पर अवैध सप्लाई की गुंजाइश रहती थी, वहीं अब संगठित और नियंत्रित व्यवस्था में ऐसी गतिविधियों के लिए जगह सीमित हो सकती है। इससे शासन के राजस्व नुकसान पर भी अंकुश लगेगा। हालांकि, प्रतिस्पर्धा कम होने का असर उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। बाजार में सीमित खिलाड़ियों के चलते कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि अप्रैल से नई दरें लागू होने के साथ शराब महंगी हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह मॉडल सरकार के लिए फायदेमंद दिख रहा है, लेकिन सामाजिक स्तर पर इसके मिश्रित प्रभाव हो सकते हैं—एक ओर अवैध शराब पर नियंत्रण, तो दूसरी ओर उपभोक्ताओं पर बढ़ता खर्च और विकल्पों की कमी।

हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि महोत्सवः 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा, महायज्ञ और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ भव्य समापन

इटारसी में भजन, गरबा, आदिवासी नृत्य और कवि सम्मेलन से सजा आयोजन; महाआरती व भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

इटारसी। हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर आयोजित 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ, देवी पूजन एवं महायज्ञ का भव्य समापन हुआ। धार्मिक आस्था, संस्कृति और सामूहिक सहभागिता से सजे इस आयोजन में नगर के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती जागृति आशीष भदोरिया ने बताया कि यह आयोजन समिति का प्रथम प्रयास था, जिसमें हिंदू नववर्ष के साथ चैत्र नवरात्रि उत्सव को विशेष रूप से मनाते हुए श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान इटारसी नगर की महिला सांस्कृतिक समिति द्वारा भजन प्रस्तुतियां दी गईं, वहीं आदिवासी समाज ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भरा।

महोत्सव के अंतर्गत शहर की विभिन्न महिला मंडलियों द्वारा दो दिवसीय भव्य गरबा महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इसके साथ ही वरिष्ठ हास्य-व्यंग्य कवि श्री बृजकिशोर पटेल के नेतृत्व में कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया, जिसने श्रोताओं को खूब आनंदित किया।

अष्टमी के अवसर पर पुराण मनीषी परम पूज्य आचार्य श्री मधुसूदन जी महाराज के सान्निध्य में भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिसमें ब्राह्मणों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन भगवताचार्य श्री सुनीलानंद जी महाराज (ग्वालियर) के मुखारविंद से हुआ, जबकि महायज्ञ यज्ञाचार्य श्री नीरज द्विवेदी (उज्जैन) द्वारा वेद मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया।

पूरे आयोजन के दौरान प्रतिदिन कन्या पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर पूजन-अर्चन किया गया। अंतिम दिवस महायज्ञ के समक्ष विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा कथा व्यासों का श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। आयोजन में नगरवासियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

संसद में गूंजी 'कलम की आवाज': पत्रकारों की सुरक्षा और जवाबदेही पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी का जोरदार हस्तक्षेप

नर्मदा पुरम/नई दिल्ली। संसद के लोकसभा सदन में शुक्रवार को होशंगाबाद-नरसिंहपुर क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने शून्यकाल के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा और जवाबदेही का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ—पत्रकारिता—की गरिमा, सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक एवं संतुलित नीति बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र की आत्मा है, जो सत्ता और जनता के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है। उन्होंने चिंता जताई कि आज भी जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पत्रकार अनेक जोखिमों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार से पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण नीति लागू करने की मांग करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इनमें पत्रकारों के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान, बीमा सुविधा, बच्चों की शिक्षा में सहायता, आवास व्यवस्था और यात्रा में रियायत जैसे बिंदु शामिल हैं। सांसद चौधरी ने कहा जब कलम सुरक्षित होगी, तभी सच निर्भीक होकर सामने आएगा और लोकतंत्र मजबूत होगा। हालांकि उन्होंने इस मुद्दे का दूसरा पक्ष भी उतनी ही मजबूती से रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता की आड़ में हो रही अनैतिक गतिविधियों और दुरुपयोग पर सख्त नियंत्रण जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना पर दुख जताया

प्रभारी मंत्री सड़क दुर्घटना में घायलों से मिले, राहत का जायजा लिया

भोपाल/छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग व छिंदवाड़ा जिला प्रभारी मंत्री राकेश सिंह को घटना में प्रभावित लोगों से मिलने के लिये निर्देशित किया था। जिसके बाद प्रभारी मंत्री सिंह ने सभी कार्यक्रम परिवर्तित कर तत्काल छिंदवाड़ा जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों को दी जा रही राहत का जायजा लिया। उन्होंने सड़क दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहन शोक संवेदनाएं करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

बता दें, गुरुवार की शाम को छिंदवाड़ा-नागपुर रोड पर हृदय विदारक सड़क दुर्घटना हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना की है कि सभी दिवंगत नागरिकों की आत्मा को शांति प्रदान करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जबलपुर से डॉक्टर्स के दल पैरामेडिकल स्टाफ सहित छिंदवाड़ा और नागपुर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर मृतकों के निकटम परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि और गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायत राशि प्रदान की जाएगी। सभी घायलों का इलाज निशुल्क किया जाएगा। राजधानी भोपाल में स्वास्थ्य विभाग में नियंत्रण कक्ष बनाकर सभी घायलों के उपचार की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिला प्रशासन ने गाइड लाइन जारी की, भोपाल में अफवाहों पर सख्ती

पेट्रोल-डीजल को लेकर अफवाहें फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी

भोपाल। जिला प्रशासन ने पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों पर सख्त रुख अपनाया है। सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक खबरों से लोगों में घबराहट बढ़ रही है, जिसके चलते पेट्रोल पंपों पर भीड़ लग रही है। इस स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन ने नई गाइडलाइन (एसओपी) जारी की है। प्रशासन ने साफ किया है कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद जो लोग अफवाह फैलाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गाइडलाइन के अनुसार सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी।

फर्जी पोस्ट पर फैक स्टैम्प लगाकर सच सामने लाया जाएगा। भ्रामक खबरे फैलाने वाले वाट्सएप ग्रुप के एडमिन भी जिम्मेदार माने जाएंगे। अफवाह फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

हर दिन स्टॉक अपडेट जारी होगा – प्रशासन ने जिला जनसंपर्क विभाग को रोजाना आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल कंपनियों से जानकारी लेकर पेट्रोल-डीजल के स्टॉक की स्थिति सार्वजनिक करेगा, ताकि लोगों में भ्रम न फैले। वहीं, एसडीएम, एसडीओपी/एसीपी और तहसीलदार की संयुक्त टीम मैदान पर उतरकर लगातार निगरानी करेगी। वहीं, जिला आपूर्ति विभाग शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा।

पेट्रोल पंपों पर सख्ती– इसके अलावा यदि कोई पेट्रोल पंप जानबूझकर कमी दिखाता है या ज्यादा कीमत वसूलता है, तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाएगा। शासन ने लोगों से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। घबराएं नहीं और अनावश्यक स्टॉक जमा न करें।

भोपाल में निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा, 8 घायल

भोपाल। भोपाल के एम्स के सामने एक निर्माणाधीन निजी बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। हादसे में नीचे खड़े करीब 8 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एम्स में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार यह सडाना मेडिकल स्टोर की चार मंजिला इमारत बन रही है। नीचे मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा था। एम्स में आए मरीज और उनके परिजन दवाई लेने के लिए यहां पहुंचे थे, तभी यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शी हरभजन ने बताया कि बिल्डिंग का छज्जा अचानक गिर गया। हादसे में एक बच्ची भी घायल हुई है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे एम्स में भर्ती कराया गया है। एक अन्य व्यक्ति को सरिया लगा है। 3 गाड़ियां भी दबी है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा अवैध है और नगर निगम को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। करीब 35 साल पुराना भवन है। यहां मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है। इसके ठीक ऊपर 3 मंजिल का और निर्माण चल रहा है। जो सेटिंग, छज्जा गिरा है, वो काफी बाहर निकला हुआ था। यह शेड के ऊपर गिरा है। इससे शेड भी ढह गया।

मप्र में पारा 41 डिग्री पार, मौसम का पलटवार, 7 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में मार्च के आखिरी सप्ताह में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा दिया है, वहीं दूसरी ओर अचानक मौसम के बदलने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार को ग्वालियर समेत सात जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह मार्च महीने में तीसरी बार होगा जब प्रदेश में मौसम इस तरह करवट लेगा।

गर्मी के तेवर, नर्मदापुरम सबसे गर्म– प्रदेश में इस सीजन पहली बार तापमान 41 डिग्री के पार पहुंचा है। नर्मदापुरम में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अब तक का सबसे ज्यादा है। इसके अलावा ग्वालियर में 38.6 डिग्री, भोपाल में 37.4 डिग्री, इंदौर में 37.2 डिग्री और उज्जैन में 37.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। कई अन्य जिलों में भी पारा 37 से 39 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे दिन में तेज गर्मी का अहसास हो रहा है।

7 जिलों में आज बिगड़ेगा मौसम– मौसम विभाग के अनुसार ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। अचानक मौसम बदलने से लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

28 जिलों तक पहुंचेगा असर– मौसम विभाग का अनुमान है कि 30 मार्च तक प्रदेश के करीब 28 जिलों में इस सिस्टम का असर दिखाई देगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के कई जिलों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हो सकती है। 30 मार्च को इसका प्रभाव सबसे ज्यादा रहने की संभावना जताई गई है।

क्यों बदल रहा मौसम? – विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश के मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) के कारण हो रहा है। प्रदेश के ऊपरी हिस्से में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि पश्चिमी क्षेत्रों में दो चक्रवाती सिस्टम बन रहे हैं। इन सिस्टम के संयुक्त प्रभाव से वातावरण में नमी बढ़ रही है, जिससे आंधी और बारिश की स्थिति बन रही है।

गर्मी के बीच राहत या नई मुसीबत– आंधी-बारिश का यह दौर आम लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर देगा, लेकिन किसानों के लिए यह नई चिंता लेकर आया है। इससे पहले मार्च में आए दो दौर की बारिश और ओलावृष्टि ने गेहूं, पपीता और केले की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। अब तीसरे दौर के चलते फसलों को और नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

अप्रैल में और बढ़ेगी गर्मी– मौसम विभाग का अनुमान है कि अप्रैल और मई में प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी। ग्वालियर, चंबल, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभाग में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। वहीं भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में भी तेज गर्मी का असर रहेगा।

भोपाल समेत 4 संभागों में 1 अप्रैल से गेहूं खरीदी, MSP 2625 रुपए, 19 लाख किसानों ने कराया है पंजीयन

भोपाल। मध्य प्रदेश के किसानों के लिए काम की खबर है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं की अप्रैल से 2 चरणों में खरीदी की जाएगी। इसको लेकर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस साल गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2625 रुपए तय किया गया है। इसमें ?केंद्र सरकार का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,585 प्रति क्विंटल है और ?40 प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा बोनस के रुप में दिया जाएगा। खरीदी केंद्रों पर कामकाज सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा और सरकारी छुट्टियों के दिनों में भी केंद्र खुले रहेंगे

गेहूं खरीदी की तारीखें और शेड्यूल

1 अप्रैल 2026 से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभागों में खरीदी शुरू होगी।

7 अप्रैल 2026 से- जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, शहडोल, चंबल और सागर संभागों में खरीदी शुरू की जाएगी।

गेहूं उपार्जन- 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने कराया है पंजीयन

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत् वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था।

इंदौर में 71713, झाबुआ में 7120, धार में 44466, अलीराजपुर में 476, खण्डवा में 35104, बुरहानपुर में 523, बड़वानी में 4724, खरगोन में 27557, शाजापुर में 73878, नीमच में 19445, उज्जैन में 123281, आगर-मालवा में 42446, मंदसौर में 65195 किसानों ने पंजीयन कराया है।

देवास में 76442, रतलाम, 45912, अशोक नगर में 16454, दतिया में 19118, शिवपुरी में 21312, ग्वालियर में 13763, गुना में 22914, भिण्ड में 12788, मुरैना में 10893, श्योपुर में 17617, डिण्डौरी में 4478, मण्डला में 19611, जबलपुर में 49642, सिवनी में 53288 किसानों ने पंजीयन कराया है।

कटनी में 52126, नरसिंहपुर में 38416, छिन्दवाड़ा में 29163, बालाघाट में 4383, पांढुर्णा में 863, नर्मदापुर में 71831, बैतूल में 18686, हरदा में 40273, भोपाल में 37129, रायसेन में 76264, विदिशा में 86479, सीहोर में 101793, राजगढ़ 98537, सीधी में 12813 किसानों ने पंजीयन कराया है।

सिंगरौली में 10970, मैहर में 19787, मऊगंज में 8018, सतना में 56376 ,रीवा में 46923, अनुपपुर में 882, शहडोल में 9479, उमरिया में 13445, टीकमगढ़ में 15552, निवाड़ी में 4116, सागर में 75791, पन्ना में 30052, दमोह में 39938 और जिला छतपुर में 34378 किसानों ने पंजीयन कराया है।

आधार लिंक बैंक खातों में होगा भुगतान

फसल की खरीदी के बाद भुगतान की राशि सीधे किसान के आधार लिंक्ड बैंक खाते में जमा की जाएगी। किसान ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से अपनी सुविधानुसार स्लॉट बुक कर सकते हैं। खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए एक राज्य स्तरीय कैबिनेट समिति का गठन किया गया है, जो 30 जून 2026 तक सक्रिय रहेगी। उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए छांव, पीने का पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए हैं।

स्कॉर्पियो की टक्कर से परिवार के 5 लोगों की मौत: ई-रिक्शा को टक्कर मारने के बाद पुलिस कर रही थी पीछा, भागते समय ऑटो को रौंदा

ग्वालियर। ग्वालियर के परशुराम चौराहे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे सहित चार लोग घायल हैं। वहीं गंभीर हेड इंजरी की वजह से ऑटो ड्राइवर की हालत भी नाजुक है।

हादसा शुक्रवार तड़के 3 बजे उस समय हुआ, जब ऑटो में सवार लोग शीतला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो नीम के पेड़ से टकराने के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, उसमें सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

चश्मदीद भूरा के मुताबिक, स्कॉर्पियो ने बस स्टैंड पर एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी थी। उसके पीछे पुलिस लगी थी। भागते समय स्कॉर्पियो ने रास्ते में ऑटो को भी टक्कर मार दी। एसपी धर्मवीर यादव के मुताबिक, दो बच्चे, एक महिला और ऑटो ड्राइवर राजेश कुमार ट्रॉमा सेंटर में एडमिट हैं। स्कॉर्पियो चालक अमन शर्मा का मेडिकल टेस्ट करा रहे हैं। वहीं थाटीपुर थाने की पुलिस ने एमपी 21 जेड ई 5911 नंबर की स्कॉर्पियो जब्त कर ली है। इसके आगे का कांच टूट चुका है। सभी एयरबैग भी खुले हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी मृतक एक ही शाक्य परिवार के हैं, जो मुरार के घास मंडी और थाटीपुर की सरकारी मल्टी में रहते हैं। कल शुभम के बेटे आरव का जन्मदिन था। वे परिवार के साथ दोपहर 12 बजे करौली माता मंदिर, फिर स्थानीय वैष्णों देवी मंदिर गए। शाम को घर में बर्थडे मनाने के बाद रात 10 बजे शीतला माता के दर्शन करने चले गए थे। वहां से लौटते समय हादसा हो गया।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)